सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महाराष्ट्र राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा.... पेज: 7

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो... पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 265 | रविवार 04 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की

तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की दो दशक पुरानी मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को एक नई योजना तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन योजना की घोषणा की, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ प्रदान करेगी। सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी।

क्या खत्म होगी मनरेगा की नौकरी की गारंटी? खरगे बोले- नया कानून अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कांग्रेस के एमजीएनआरईजीए बचाओ संग्राम की तीन प्रमुख मांगों को रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह योजना दान नहीं बल्कि एक कानूनी गारंटी है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार से हाल ही में पारित विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने, एमजीएनआरईजीए को अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग करती है। खरगे ने एक पोस्ट में कहा कि एमजीएन आरईजीए दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब

लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिला; एमजीएनआरईजीए ने भूख और संकटग्रस्त पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया। खरगे ने आगे आरोप लगाया कि वीबी-जी राम जी अधिनियम एमजीएनआरईजीए की अधिकार-आधारित संरचना को नष्ट करने की धमकी देता है, क्योंकि यह गारंटीकृत कार्य को मनमानी से बदल देगा, नियंत्रण को केंद्रीकृत करेगा और ग्राम सभाओं और राज्यों को कमजोर करेगा। खरगे ने कहा कि वीबी ग्राम जी अधिनियम इसी अधिकार को समाप्त करने के लिए बनाया गया है। कांग्रेस इसका विरोध करती है क्योंकि काम अब गारंटीकृत

मल्लिकार्जुन खरगे ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत....

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत केंद्र के नए 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम को रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि मनरेगा दान नहीं, बल्कि एक कानूनी गारंटी है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है

अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि चुनिंदा पंचायतों में केवल एक अनुमति होगी। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए संकट के समय में भी धन समाप्त होते ही काम भी बंद हो जाएगा। दिल्ली निधि और कार्यों का निर्णय करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी। 60 दिनों के काम पर रोक से संकट के चरम समय में काम से इनकार करना वैध हो जाएगा। मजदूरी एक संरक्षित अधिकार होने के बजाय अनिश्चित और दमनीय हो जाएगी। राज्यों को 40 प्रतिशत निधि प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिससे संघवाद कमजोर होगा और गरीब राज्यों को नुकसान होगा। प्रौद्योगिकी बायोमेट्रिक और ऐप-आधारित बाधाओं के माध्यम से श्रमिकों को बाहर कर देगी। ग्राम संपत्तियों को ठेकेदार शैली की परियोजनाओं से बदल दिया जाएगा। खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए पर हमला करोड़ों श्रमिकों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। हम हर पंचायत से लेकर संसद तक शांतिपूर्ण और दृढ़ता से इसका विरोध करेंगे। यह घोषणा कांग्रेस द्वारा नवगठित वीबी-जी राम जी विधेयक के खिलाफ एमजीएनआरईजीए बचाओ शीर्षक से तीन चरणों के राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा के बाद आई है। नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर रोजगार गारंटी योजना को केंद्रीकृत करने का प्रयास करने और मनमानी करने का आरोप लगाया।

सीएम नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान: सात निश्चय-3 योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। सात निश्चय-3 कार्यक्रम के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत अब राज्य के बुजुर्गों को घर बैठे आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे लाखों वरिष्ठ नागरिकों को अस्पतालों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से बिहार में न्याय और विकास के साथ समाज के सभी वर्गों का उत्थान सुनिश्चित किया गया है और हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन यापन का अवसर मिला है सीएम नीतीश कुमार ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हम लोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हम लोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। हम लोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हम लोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है। सीएम नीतीश ने कहा कि सात निश्चय-3 का सातवां निश्चय ह्यसबका सम्मान-जीवन आसान नागरिकों का जीवन सरल बनाने के लिए है उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय ह्यसबका सम्मान-जीवन आसान (इज ऑफ लिविंग) का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। सीएम नीतीश ने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य, जांच और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी सीएम नीतीश ने कहा कि सबसे पहले हम लोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अति आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके लिए

अमित शाह का तिरुचिरापल्ली दौरा, सुरक्षा कारणों से मुफ़्तकोर उड़ाने पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 4 और 5 जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के दौरे के मद्देनजर, जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, रविवार और सोमवार (4 और 5 जनवरी) को तिरुचिरापल्ली जिले की सीमा के भीतर ड्रोन और अन्य मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तिरुचिरापल्ली जिले के कलेक्टर वी. सरवनन, आईएएस ने कहा कि यह प्रतिबंध जनता और

अतिथि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है। जिला प्रशासन ने आम जनता और संगठनों से अपील की है कि वे प्रतिबंध की अवधि के दौरान सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें और पूरा सहयोग दें। इससे पहले, शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गृह मंत्रालय की संसदीय परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक अंडमान के वांडूर स्थित होटल सी-प्रिंसेस में हुई, जहां लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सांसदों ने गृह मंत्री के साथ मंत्रालय के कार्यक्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। गृह मंत्रालय की परामर्श समिति सांसदों और गृह मंत्री तथा राज्य मंत्रियों के बीच मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और उनके कार्यान्वयन पर अनौपचारिक संवाद के लिए एक मंच का काम करती है। यह समिति एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करती है, जो आंतरिक सुरक्षा, शासन, सीमा प्रबंधन, साइबर अपराध और आपराधिक न्याय सुधारों से संबंधित मुद्दों पर संवाद को सुगम बनाती है। समिति में 30 सांसद शामिल हैं, जिनमें 14 लोकसभा और 16 राज्यसभा के हैं। अमित शाह समिति के अध्यक्ष हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंदी संजय कुमार भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद, शाह श्री विजयपुरम स्थित आईटीएफ मैदान में नवीन न्याय संहिता पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। वे श्री विजयपुरम के नेताजी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में अंडमान और निकोबार प्रशासन की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

दिल्ली विधानसभा में अटल-मालवीय को सम्मान, राजनाथ सिंह बोले- यह गर्व का क्षण

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण किया और इसे गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर बोलते हुए सिंह ने कहा कि इन महान हस्तियों के चित्रों का अनावरण हमारे लिए गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमसे एक अनकहा प्रश्न भी पूछता है: क्या हम उनकी मूल्य प्रणाली को अपनाने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, और क्या हम उसी ईमानदारी, सहानुभूति और दूरदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं? इस संबंध में, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 1 जनवरी को दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी, जैसा कि एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है। इन चित्रों को विधानसभा भवन में स्थापित करना इन दो राष्ट्रीय हस्तियों के भारत के

लोकतंत्र, शिक्षा, संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में किए गए अमूल्य योगदान के प्रति गहरी श्रद्धा और एक स्थायी श्रद्धांजलि का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में "भारत माता" नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जो चित्रकला, वास्तुकला और साहित्य के माध्यम से व्यक्त भारतीय राष्ट्रवाद को दर्शाती है। यह प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय चेतना की रचनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति को समर्पित है और राष्ट्रगान वंदे मातरम की रचना की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रकाशित किया गया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्म भूषण राम बहादुर राय विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल होंगे। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में दिल्ली सरकार में विधायी कार्य मंत्री परवेश साहिब सिंह और दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने की। विज्ञप्ति में बताया गया है

गौरव गोगोई बोले- असम चुनाव 2026 दलों में नहीं, जनता और 'राजा' के बीच की लड़ाई है

असम एजेंसी: असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं बल्कि असम की जनता और जिसे उन्होंने "स्वयं को राजा समझने वाला" कहा, उसके बीच होगा। उन्होंने कहा कि जिस 'राजा' का वे जिक्र कर रहे हैं, उसकी पहचान जनता को सर्वविदित है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि विपक्षी दल जनता के बीच व्याप्त आक्रोश और हताशा से अवगत हैं और इसलिए वे उनके साथ एकजुट होकर खड़े हैं। गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल द्वारा वित्तीय प्रलोभनों, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघन के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बावजूद, असम की जनता निर्णायक प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने कहा कि असम की जनता एकजुट होकर देश को एक सशक्त संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति जनता की गरिमा को कुचल नहीं सकती। उन्होंने आगे कहा कि असम की भूमि, विरासत, संस्कृति, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि 2026 के चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे, जिनका पूरे देश पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और अन्य राज्यों के लोग असम के सामूहिक रुख से सबक लेंगे। कांग्रेस नेता अमोलपत्ती नाट्य मंदिर सभागार में डिब्रूगढ़ जिला नागरिक सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित एक जनसभा में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विपक्षी दलों को लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने के लिए प्रेरित करना था।

बीजेपी को देखकर आरएसएस का निष्कर्ष निकालना गलत होगा: मोहन भागवत

नई दिल्ली एजेंसी: आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने साफ किया है कि संघ की पहचान को किसी राजनीतिक दल या संगठन तक सीमित करना एक बड़ी भूल है। भोपाल में 'प्रबुद्धजन गोष्ठी' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं है और इसे केवल भाजपा या विद्या भारती के नजरिए से नहीं समझा जा सकता। भागवत ने कहा- हम अर्धसैनिक बल नहीं, समाज के संस्कार केंद्र हैं भागवत ने कहा कि संघ में वर्दी (गणवेश), दंड अभ्यास और शारीरिक कसरत देखकर अक्सर लोग इसे 'पैरामिलिट्री' मान लेते हैं, लेकिन सच्चाई इसके उलट है। उन्होंने कहा, "संघ का मुख्य कार्य समाज को एकजुट करना और नागरिकों में वह सद्गुण विकसित करना है जिससे भारत कभी दोबारा गुलाम न हो। हम किसी प्रतिक्रिया या विरोध के लिए नहीं, बल्कि सकारात्मक समाज निर्माण के लिए बने हैं।" भाजपा और विकिपीडिया

पर टिप्पणी सरसंघचालक ने दो प्रमुख भ्रांतियों पर प्रहार कियाः भाजपा से तुलनाः उन्होंने साफ कहा, "अगर आप भाजपा को देखकर संघ का निष्कर्ष निकाल रहे हैं, तो यह बहुत बड़ी गलती है। संघ एक स्वतंत्र वैचारिक मूल संगठन है।" सतही जानकारीः आजकल लोग गहरी जानकारी के लिए मूल स्रोतों तक जाने के बजाय 'विकिपीडिया' का सहारा लेते हैं। भागवत के अनुसार डिजिटल मंचों पर दी गई जानकारी हमेशा सही नहीं होती। इतिहास से सीख और शताब्दी वर्ष का संकल्प संघ के 100 साल पूरे होने के अवसर पर भागवत ने भारत के पराजयों के इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुट्ठी भर विदेशी आक्रमणकारी हमें बार-बार इसलिए हरा पाए क्योंकि हम भीतर से बंटे हुए थे। "अंग्रेज आठवें आक्रांता थे। हमें यह सोचना होगा कि ऐसा बार-बार क्यों हुआ? आजादी की गारंटी केवल एकजुट और स्वाभिमान से भरा समाज ही दे सकता है।" चीनी कितनी मीठी है, यह चखकर ही पता चलेगा अपने संबोधन के अंत में उन्होंने लोगों को 'शाखा' आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए कहा, "अगर मैं दो घंटे तक यह समझाऊं कि चीनी कितनी मीठी होती है, तो आप पूरी तरह नहीं समझ पाएंगे।

फुटबॉल खिलाड़ियों के समर्थन में उतरे अरविंद केजरीवाल, खेलों को राजनीति नहीं पारदर्शी गवर्नेंस चाहिए

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय फुटबॉल इस समय अपने सबसे गंभीर संकट से गुजर रहा है। जनवरी 2026 आ चुका है, लेकिन 2025 26 इंडियन सुपर लीग सीजन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जुलाई 2025 से यह लीग अनिश्चितकाल के लिए स्थगित पड़ी है। यह सिर्फ.एक टूर्नामेंट के रुकने की बात नहीं है, बल्कि हजारों खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और करोड़ों फैंस के सपनों के ठहर जाने की कहानी है। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि भारतीय फुटबॉल के सबसे बड़े नाम राष्ट्रीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री, दिग्गज गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन और कुछ विदेशी आईसीएल खिलाड़ी जैसे ह्यूगो बुमूस- 2 जनवरी 2026 को एक संयुक्त वीडियो जारी कर सीधे फीफा से हस्तक्षेप की अपील करने को मजबूर हुए। खिलाड़ियों का इस तरह अंतरराष्ट्रीय संस्था से गुहार लगाना, भारतीय फुटबॉल प्रशासन की गहरी नाकामी और वर्षों की अव्यवस्था को उजागर करता है। आज हालात यह हैं कि खिलाड़ियों के करियर ठहर गए हैं। युवा प्रतिभाओं को मौके नहीं मिल रहे। कई क्लब वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। विदेशी खिलाड़ी भारत छोड़कर दूसरी लीगों का रुख कर रहे हैं, जबकि भारतीय खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बिना मैच, बिना आय और

बिना भविष्य की स्पष्टता के फंसे हुए हैं। आईसीएल के साथ-साथ I-League और निचली डिवीजन की प्रतियोगिताएं भी इस संकट की चपेट में हैं। इस पूरे मामले पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने खुलकर आवाज उठाई है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भारतीय फुटबॉल आज ऐसे नाजुक

भारतीय फुटबॉल इस समय अपने सबसे गंभीर संकट से गुजर रहा है। जनवरी 2026 आ चुका है, लेकिन 2025-26 इंडियन सुपर लीग (ISL) सीजन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जुलाई 2025 से यह लीग अनिश्चितकाल के लिए स्थगित पड़ी है। यह सिर्फ.एक टूर्नामेंट के रुकने की बात...

मोड़ पर खड़ा है, जहाँ अगर अब भी सही और ईमानदार फैसले नहीं लिए गए, तो आने वाले सालों में यह खेल पूरी तरह बबार्दी की ओर चला जाएगा। और जब खिलाड़ियों को खेल बचाने के लिए फीफा और सरकार से अपील करनी पड़े, तो यह सालों की बदइंतजामी और उपेक्षा का नतीजा है। उन्होंने साफ कहा कि खेल को राजनीति और पावर स्ट्रगल नहीं, बल्कि पारदर्शी गवर्नेंस, जवाबदेही और खिलाड़ियों के सम्मान की जरूरत है। अरविंद केजरीवाल का यह स्टैंड उन लाखों फैंस की भावना को आवाज देता है जो आज निराश और आहत हैं। स्टेडियम खाली हैं, युवा खिलाड़ी हताश हैं और देश का एक लोकप्रिय खेल प्रशासनिक राजनीति की भेंट चढ़ता दिख रहा है। सवाल यह है कि केंद्र की बीजेपी सरकार कब तक आंखें मूंदे रहेगी? क्या खिलाड़ियों का भविष्य और देश का खेल सिर्फ. पावर गेम का शिकार बना रहेगा? भारतीय फुटबॉलरों के साथ आज देश की जनता की सहानुभूति है। खिलाड़ी कोई मांग नहीं कर रहे, वे सिर्फ.खेलने का हक और सम्मान चाहते हैं। भारत और उसके जुनूनी फुटबॉल प्रेमी इससे बेहतर के हकदार हैं। अब भी वक्त है कि सत्ता की राजनीति से ऊपर उठकर खेल और खिलाड़ियों को बचाया जाए, वरना यह संकट आने वाली पीढ़ियों के सपनों को भी तोड़ देगा।

संपादकीय

दूषित पानी का हत्याकांड

कितना अभिशप्त और कलंकित शहर है इंदौर! जिस शहर को स्वच्छता के लिए लगातार राष्ट्रीय सम्मान मिल रहा है, उसी शहर में लोग दूषित पानी पीने से मर रहे हैं। यह इंदौर का काला सच है! इससे विरोधाभासी त्रासदी और क्या होगी? हमें नए साल की शुरूआत में ही ऐसा शोकाकुल, संतप्त, अफसोसनाक, व्यवस्था के 'फालतूपन', संवेदनहीनता और मंत्री जी के 'घंटे' पर विश्लेषण करना पड़ रहा है, लिहाजा हमारी विवशता समझिए। यह त्रासद घटना मप्र के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव-क्षेत्र के भागीरथपुरा की है। क्या विडंबना और अंधेरगर्दी है कि नर्मदा के पानी की लाइन में मल की पाइपलाइन जुड़ गई और लोग वही विषाक्त पानी पीते रहे! आखिर यह नालायकी कैसे संभव है? यदि यह हत्याकांड (हम इसे हत्याकांड ही मानेंगे) सामने न आता, तो न जाने कितनी और अर्थियां उठानी पड़तीं? विषाक्त पानी पीने से अभी तक 14 मौतें हो चुकी हैं और 32 मरीजों की स्थिति गंभीर बताई गई है। उनमें से अधिकतर अस्पतालों के आईसीयू में उपचाराधीन हैं। ईश्वर उन्हें नई जिंदगी दें। अस्पतालों में 201 मरीज भर्ती हैं। कुल 8571 प्रभावित लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 338 संक्रमित पाए गए हैं। अब हैजा फैलाने वाले घातक विषाणु भी मिले हैं। मप्र सरकार बेशक अफसरों को निलंबित करे या बर्खास्त कर दे अथवा सूली पर चढ़ा दे, लेकिन जिन परिवारों के चिराग बुझे हैं, कमाऊ पूत भरी जवानी में चले गए हैं, बड़ों के साये भी छिन गए हैं, क्या उनकी क्षतिपूर्ति संभव है? ऐसी किसी भी त्रासद घटना की क्षतिपूर्ति की ही नहीं जा सकती। जिन लोगों ने गुस्से या आक्रोश में सरकारी चेक कबूल करने से इंकार कर दिया है, हम उनकी हिम्मत की दाद देते हैं। सरकार या राजनीतिक नेतृत्व को कभी-कभार 'लाल आंखें' दिखाना सही होता है। कैलाश विजयवर्गीय भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में हैं और मालवा के सबसे ताकतवर नेता के तौर पर गिने जाते हैं। उन्होंने पत्रकारों से भिड़ते हुए कहा-फोकट के सवाल मत पूछें। 'इससे उनकी मानसिकता स्पष्ट हुई है। वह मौत के आंकड़ों को 'घंटा' करार दे रहे हैं। क्या ऐसे नेता को जनता को खारिज नहीं कर देना चाहिए? दरअसल सवाल खोखले नारों, दावों और सतही श्रृंगार का है। इंदौर पर ग्लैमर और आकर्षण थोपा जा रहा है। वह स्वच्छता का शहर भी नहीं है। यह हमारा दावा है, क्योंकि हमने इंदौर को नंगी आंखों से देखा है। वहां अराजकता और अतिक्रमण चारों ओर देखा जा सकता है। इंदौरवाले अव्वल दर्जे के 'खाऊ' हैं, लेकिन नर्मदा नदी के तट पर बसे शहर में चेतावनीपूर्ण जल-संकट की स्थितियां हैं। गर्मियों में लोगों को पानी के टैंकर खरीद कर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ती हैं। किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री या खुद जनता ने पानी के संकट की कभी भी चिंता नहीं की। अब इंदौर को इतना विकसित बनाने की योजनाओं पर काम चल रहा है कि प्रधानमंत्री का दूसरा आवास वहीं बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री इंदौर में बस कर क्या करेंगे? इंदौर को सिर्फ ऊपर से सजाने-संवारने की कोशिशें की जाती रही हैं। यह कैसा शहर है, जहां 95 फीसदी से अधिक दोपहिया चालक हैलमेट ही नहीं पहनते, लाल बत्ती की गंभीरता से नहीं मानते और वाहन आपस में लगभग काटते, टकराते चलते रहते हैं। ऐसे शहर को बेनकाब करना जरूरी है।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अंधेरे से उजाले का सफरः लुई ब्रेल और उनकी जादुई लिपि

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक अक्षमता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया, या यूं कहें खुद के साथ पूरी मानवता की सेवा की तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ' इन्हीं में से एक नाम है लुई ब्रेल'

लुई ब्रेल वह महामानव थे, जिन्होंने दृष्टिबाधितों की दुनिया में शिक्षा का सूरज उगाया। 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के कुपव्रे में जन्मे लुई के जीवन की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। मात्र तीन वर्ष की आयु में पिता की कार्यशाला में काम करते समय एक नुकीले औजार से उनकी आँख में चोट लग गई। संक्रमण इतना फैला कि बालक लुई ने अपनी दोनों आँखों की रोशनी खो दी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; आँखों की रोशनी जाना उनके जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरूआत थी, शायद उनकी आखों का जाना सिर्फ.जाना नहीं था बल्कि दुनिया भर के दृष्टिबाधित लोगों के लिए प्रकाश लेकर आना था, और इस पुण्यात्मा ने यही किया '

लुई ब्रेल की मेधा शक्ति बचपन से ही विलक्षण थी। जब उन्होंने पेरिस के रॉयल इंस्टीट्यूशन फॉर ब्लाइंड यूथ में दाखिला लिया, तो उन्होंने पाया कि वहां पढ़ने के लिए इस्तेमाल होने वाली हाउ पद्धति अत्यंत बोझिल थी। इसमें कागज पर अक्षरों को उभारकर बनाया जाता था, जिन्हें स्पर्श करके पढ़ना बहुत धीमा और थका देने वाला काम था। लुई को महसूस हुआ कि यदि दृष्टिबाधितों को वास्तव में शिक्षित होना है, तो उन्हें एक ऐसी भाषा की जरूरत है जो उतनी ही तेज हो जितनी कि आँखों से पढ़ी जाने वाली लिपि।

लुई ब्रेल के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात फ्रांसीसी सेना के कैप्टन चार्ल्स बार्बियर से हुई। बार्बियर ने सैनिकों के लिए अंधेरे में संदेश पढ़ने हेतु 12 बिंदुओं वाली नाइट राइटिंग (सोनोग्राफी) विकसित की थी। हालाँकि यह तकनीक ध्वनियों पर आधारित थी, लेकिन काफी जटिल और बड़ी थी; एक उंगली से एक साथ 12 बिंदुओं को महसूस करना अत्यंत कठिन था और इसमें व्याकरण का अभाव था। केवल 15 वर्ष की आयु में लुई ने इस चुनौती को स्वीकार किया और गहन विश्लेषण के बाद इसे पूरी तरह रूपांतरित कर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक आधार पर पाया कि मनुष्य की उंगली की पोर एक बार में अधिकतम छह बिंदुओं को ही सटीकता से पढ़ सकती है। इसी आधार पर उन्होंने 12 बिंदुओं की जटिलता को घटाकर 6 बिंदुओं के दो कॉलम वाले सेल में समेट दिया। यह छोटा सा दिखने वाला बदलाव दृष्टिबाधितों के लिए एक महान आविष्कार साबित हुआ।

लुई का यह 6 बिंदुओं का जादुई खांचा इतना लचीला था कि इससे 63 अलग-अलग संयोजन बनाए जा सकते थे। उन्होंने इसे न केवल वर्णमाला, बल्कि गणितीय सूत्रों, संगीत के नोट्स और वैज्ञानिक प्रतीकों के लिए भी सक्षम बनाया। उनकी इस मेधा शक्ति ने स्पर्श को शब्दों की गति प्रदान की, जिससे दृष्टिबाधितों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बंद द्वार हमेशा के लिए खुल गए। आज खगोल शास्त्र जैसे जटिल विषयों का ब्रेल लिपि में उपलब्ध होना लुई ब्रेल की इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

भारत में लुई ब्रेल के योगदान को सदैव उच्च सम्मान दिया गया है। भारत सरकार ने वर्ष 2009 में उनकी 200वीं जयंती के अवसर पर ?2 का विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आज भारत के कोने-कोने में दृष्टिबाधितों के लिए चल रहे संस्थान और ब्रेल प्रेस लुई के सपनों को साकार कर रहे हैं। उनके आविष्कार ने दुनिया सहित करोड़ों भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। लुई ब्रेल के जीवन के कुछ ऐसे पहलू भी हैं जिनसे दुनिया कम परिचित है। वे न केवल एक आविष्कारक थे, बल्कि एक असाधारण संगीतकार और ऑर्गन वादक भी थे। उन्होंने पेरिस के प्रतिष्ठित चर्चों में संगीत देकर अपनी जीविका चलाई। उन्होंने राफिग्राफी नामक एक अन्य पद्धति भी विकसित की थी, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्ति सामान्य लिपि में पत्र लिख सकते थे। विडंबना यह रही कि जिस लिपि ने दुनिया को रोशन किया, उसे लुई के

जीवित रहते आधिकारिक मान्यता नहीं मिल सकी। 6 जनवरी 1852 को क्षय रोग (टीबी) के कारण उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी उंगलियों के निशान आज करोड़ों लोगों की आँखों की रोशनी बनकर जीवित हैं। लुई ब्रेल का जीवन हमें सिखाता है कि बाधाएं केवल शरीर को रोक सकती हैं, संकल्प और बुद्धि को नहीं। लुई ब्रेल जैसी महान शख्सियतें कभी मरती नहीं हैं, लुई ब्रेल जैसी महान आत्मा को हमारा प्रणाम।

इंदौर की गलियों में बहता मौत का पानी और जवाबदेही की सूखी टोटियाँ

कांतिलाल मांडोत

देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पाने वाला इंदौर आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ा है, जो किसी एक गली, एक कॉलोनी या एक हादसे तक सीमित नहीं है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह 14 घरों में पसरे सन्नाटे की गिनती है, 14 चिताओं की राख है और सैकड़ों बीमार शरीरों की कराह है। जिन शहरों को हम विकास, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्था का मॉडल बताते नहीं थकते, वहीं अगर नल से जहर बहने लगे तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता नहीं तो और क्या है।

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बीते कई दिनों से मातम पसरा है। अरविंद, उम्र 43 वर्ष, कुलकर्णी भट्टा निवासी, इस त्रासदी का 14वां शिकार बना। उससे पहले 21 से 31 दिसंबर के बीच 13 जिंदगियां बुझ चुकी थीं। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं। दो साल से लोग कह रहे थे कि नलों से बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है। दो साल से बच्चे बीमार पड़ रहे थे, बुजुर्ग उल्टियां कर रहे थे, घरों में दवाइयों की बोतलें जमा हो रही थीं। अगर तब सुना जाता, तो शायद आज 14 चिताएं न जल रहीं होतीं। पानी जीवन है, यह वाक्य हम किताबों में पढ़ते हैं। लेकिन जब वही पानी मौत बन जाए, तो सवाल सीधे उस विभाग पर जाता है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों तक सुरक्षित जल पहुंचाने की है। जलदाय विभाग की पाइपलाइनों में लीकेज था, यह बात अब सरकारी रिपोर्ट भी मान चुकी है। सीएमएचओ की जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण पानी दूषित हुआ और उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े और मरे। सांसद ने भी स्वीकार किया कि पानी के सैंपल में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं। लेकिन यह स्वीकारोक्ति तब आई, जब कई घर उजड़ चुके थे। क्या किसी विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ रिपोर्ट आने के बाद बयान देना है, या समय रहते खतरे को रोकना भी उसका दायित्व है?

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार घरों का सर्वे किया, ढाई हजार से ज्यादा लोग संक्रमित या संदिग्ध पाए गए, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती हुए। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक थी। फिर भी जलदाय विभाग की तरफ से न समय पर सप्लाई रोकी गई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही बड़े स्तर पर चेतावनी जारी की गई। जिन नलों से पानी आता है, वही नल मौत का फंदा बन गए और लोग मजबूरी में वही पानी पीते रहे। जिनके पास बोतलबंद पानी खरीदने की हैसियत नहीं थी, उनके लिए इससे ज्यादा कठिनाई और क्या हो सकती थी?

जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए के चेक देने की कोशिश की गई, तो वह दृश्य अपने आप में व्यवस्था के प्रति लोगों के गुस्से का आईना था। परिजनों ने चेक लेने से मना कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए, उन्हें जवाब चाहिए। महिलाओं ने मंत्री को घेरकर कहा कि दो साल से शिकायत कर रहे थे, अगर तब सुन लिया गया होता तो आज इतने लोग नहीं मरते। यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं था, यह एक मां, एक पत्नी, एक बहन की पीड़ा थी, जिसे चेक से नहीं खरीदा जा सकता।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के बयान इस त्रासदी में और नमक छिड़कते नजर आए। कहीं कहा गया कि जांच होगी, कहीं कहा गया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, कहीं यह बताया गया कि आंकड़े जल्द जारी किए जाएंगे। सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे, तब ये बयान कहां थे? जब बदबूदार पानी की शिकायतें दर्ज हो रही थीं, तब जलदाय विभाग की मशीनरी क्यों नहीं जागी? क्या हर हादसे के बाद यही रटी-रटाई पंक्तियां सुनना ही जनता की नियति है?

इंदौर की यह घटना सिर्फ एक शहर की कहानी नहीं है। यह उस पूरे देश का आईना है, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी साफ पानी की गारंटी नहीं दी जा सकी। शहरों में स्मार्ट सिटी की बातें होती हैं, करोड़ों की परियोजनाएं गिनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग आज भी नल खोलते वक्त डरता है कि पता नहीं आज पानी आएगा भी या नहीं, और अगर आएगा तो कैसा आएगा। भागीरथपुरा के लोग आज यही डर जी रहे हैं। जलदाय विभाग पर सवाल इसलिए भी गंभीर हैं क्योंकि पानी की सप्लाई कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत अधिकार है। पाइपलाइनों की नियमित जांच, लीकेज की मरम्मत, पानी की गुणवत्ता की लगातार मॉनिटरिंग, यह सब विभाग की रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। अगर दो साल से गंदा पानी आ रहा था, तो यह केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही है। यह लापरवाही तब और खतरनाक हो जाती है, जब उसके नतीजे मौत के रूप में सामने आते हैं।

आज भागीरथपुरा में जो हो रहा है, वह आने वाले कल की चेतावनी है। अगर जलदाय विभाग और प्रशासन ने इस घटना से सबक नहीं लिया, तो अगला आंकड़ा किसी और शहर, किसी और कॉलोनी से आ सकता है। सवाल सिर्फ 14 मौतों का नहीं है, सवाल उस व्यवस्था का है, जो हर बार हादसे के बाद जागती है और फिर धीरे-धीरे सो जाती है। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर मुआवजा सिर्फ एक औपचारिकता रहेगा। स्वच्छ शहर की चमकदार छवि के पीछे यह कड़वा सच छिपा है कि यहां भी लोग पानी के लिए तरसते हैं, यहां भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। जिन घरों में आज शोक है, वहां कभी बच्चों की हंसी गूंजती थी। आज वहां खाली बर्तन और सूनी आंखें हैं। यह केवल इंदौर की नहीं, पूरे सिस्टम की हार है। यह समय आत्ममंथन का है। जलदाय विभाग को सिर्फ बयान देने से आगे बढ़कर ठोस सुधार करने होंगे। मंत्रियों को उल्टे-सीधे जवाब देने के बजाय जनता के सवालों का ईमानदारी से सामना करना होगा। और सबसे जरूरी, यह मानना होगा कि पानी की एक-एक बूंद की जिम्मेदारी किसी विभाग की फाइल नहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी है। क्योंकि जब नल से पानी नहीं, मौत बहने लगे, तो कोई भी शहर स्वच्छ नहीं कहलाता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सामरिक शक्ति- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और आईएनएस वाघशीर की ऐतिहासिक यात्रा

समुद्र की गहराइयों से उठती नारी शक्ति की गूंज... भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलैक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में ह्यएयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शनह्ल प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है।

राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।' यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है। एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3,000 थी, वहीं आज यह 11,000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरूआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि 'समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।'

प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंद महासागर क्षेत्र वह भौगोलिक परिसीमा है, जहां वैश्विक शक्ति-संतुलन तय हो रहा है। विश्व व्यापार का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं समुद्री मार्गों से गुजरता है। चीन की बढ़ती नौसैनिक सक्रियता, दक्षिण चीन सागर का तनाव और इंडो-पैसिफिक में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को नया केंद्र बना दिया है। ऐसे में, भारत की नीति स्पष्ट है, सागर : सभी के लिए सुरक्षा और विकास।' इसके विस्तार स्वरूप भारत ने महासागर और MAITRI जैसी पहलें शुरू की हैं, जो क्वाड देशों (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) के साथ तालमेल से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रपति की यह यात्रा विश्व समुदाय के लिए संकेत है कि भारत केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं बल्कि एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर है, जो नियम-आधारित, स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री व्यवस्था को सशक्त कर रहा है।

राष्ट्रपति की यह यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक उपस्थिति नहीं थी बल्कि यह संदेश थी कि भारत का सर्वोच्च नेतृत्व अपने सिपाहियों के साथ खड़ा है, उनके जीवन, उनके संघर्ष और उनके गौरव को पूरी संवेदना से समझता है। पनडुब्बी के संकरे गलियारों में राष्ट्रपति का नौसैनिकों से बातचीत करना, उनके उपकरणों को देखना और उनके मनोबल को सराहना, यह उस गहरे विश्वास का प्रतीक है, जो सरकार और सशस्त्र बलों के बीच सेतु बनाता है। यह विश्वास ही भारत की सैन्य शक्ति का अदृश्य किन्तु सबसे प्रबल स्तंभ है।

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढ़ांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति मुर्मू और आईएनएस वाघशीर, दोनों एक ऐसे नए भारत के प्रतीक हैं, जो नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और अडिग संकल्प के सहारे अपना भविष्य खुद गढ़ रहा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के बैनर तले सावित्रीबाई फूले जयंती पर किया गया विचार गोष्ठी का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के बैनर तले माता सावित्रीबाई फूले की जयंती पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन नगर के मैथिली गार्डन में किया गया। वक्ताओं द्वारा विचार गोष्ठी में माता सावित्रीबाई फूले के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया गया। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि माता सावित्रीबाई फूले का जन्म 03 जनवरी 1831 नायगांव जिला सितारा महाराष्ट्र में हुआ था।वह भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, सामाज सुधारक, कवयित्री और महिलाओं के अधिकारों की अग्रणी योद्धा थी। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फूले के साथ मिलकर 19 वीं शताब्दी में छुआछूत, जातिवाद, बाल विवाह और विधवा उत्पीड़न जैसी कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उनका जीवन महिलाओं की

शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो आज भी लाखों महिलाओं को प्रेरित करता है।वह एक ऐसी महिला थी जिन्होंने उस समय के पितृसत्तात्मक और जातिगत समाज की बेड़ियों को तोड़ने का साहस दिखाया। वह बचपन से ही वे विद्रोही स्वभाव की थी और शिक्षा प्राप्त करने के लिए घर-घर जाकर लड़कियों को प्रेरित करती थी। उनकी जयंती को बालिका शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। महामंत्री विनोद कुमार गौतम ने कहा कि सावित्रीबाई फूले का कृतित्व मुख्य रूप से शिक्षा, साहित्य और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में रहा। वह न केवल शिक्षिका थी, बल्कि संस्थापक, लेखिका और कार्यकर्ता भी थी। शिक्षा क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने 1848 में पुणे में भारत की प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना की, जहां वे स्वयं प्रथम शिक्षिका बनी। इसके बाद उन्होंने कई बालिका स्कूल खोले। उनका मानना था कि शिक्षा ही महिलाओं को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कर सकती है। समाजसेवी एवं गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने कहा कि उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फूले के साथ मिलकर लड़कियों और वंचितों की शिक्षा के लिए अभूतपूर्व कार्य किया। भारत का पहला बालिका विद्यालय खोला।सत्यशोधक समाज की स्थापना में मदद की और सामाजिक समानता के लिए जीवन भर संघर्ष किया। जिससे वह महिला सशक्तिकरण और नारीवाद की प्रतीक बन गयी। गोष्ठी को अम्बेडकर उद्धान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम,जाटव सभा के अध्यक्ष जगवीर सिंह मौर्य,जाटव महासभा के अध्यक्ष अरविंद कुमार अन्ना, लवी सागर आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, अम्बेडकर उद्धान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम,अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, उपाध्यक्ष जगवीर सिंह मौर्य, पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना,लवी सागर, सुरेश सिंह, पवनराज जाटव,कमल सिंह, जसवंत सिंह,मुखराम सिह, जंगबहादुर, मुकेश उर्फ मुखिया जाटव, कपिल कुमार उर्फ कालू,दिनेश कुमार, राजाराम,शिवम, सोमवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

धनौरा क्षेत्र में मनाई गई सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा एवं क्षेत्र स्थित गांव में देश की पहली महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान गांव में जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि शनिवार को मंडी धनौरा एवं क्षेत्र गांव में भारत की पहली महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर नगर एवं गांव में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वहां उपस्थित वक्ताओं ने उनके संघर्षों को याद करते हुए उन्हें प्रेरणा का स्त्रोत बताया। कार्यक्रम में उपस्थित

सभासद पुत्र देशराज सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सावित्रीबाई फुले को देश की पहली महिला शिक्षिका माना जाता है उन्होंने देश के पहले कन्या स्कूल की स्थापना की थी। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित निर्दोष सिंह ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने स्त्री शिक्षा सामाजिक समानता और जातिवाद के खिलाफ जो संघर्ष किया वह आज भी मार्गदर्शक है इस अवसर पर सामाजिक न्याय और शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। आयोजित जयंती कार्यक्रम में मदनपाल सिंह, अजीत सिंह ,ब्रह्मानंद सैनी, राजपाल सिंह ,चंद्र प्रकाश सैनी ,मोर सिंह, सभासद देशराज सैनी ,सभासद जगत सिंह सैनी ,अध्यक्ष सौरभ, एलडीबी के अध्यक्ष अशोक कुमार उर्फ सोनू, राजकुमार ,राजीव एडवोकेट, शिवकुमार ,सुंदर सिंह, चमन सिंह सहित दर्जनों से अधिक लोग मौजूद रहे।

निर्धारित समय के अंतर्गत बनवा लें वोटः- कृष्ण कुमार शर्मा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं से निर्धारित समय के अंदर अपना सही विवरण प्रस्तुत कर अभियान के उद्देश्य को सफल बनाते हुए नए वोट बनवाने में सहयोग की अपील की। साथ ही

बूथों पर पहुंचकर बी एल ओ से संपर्क कर नए वोट निर्माण के कार्य में गति लाने की अपील की । उन्होंने बताया कि देश में सर्वाधिक संख्या युवाओं की है। चुनावी मुख्य धारा में युवाओं की भागीदारी आवश्यक है। भारत का भविष्य इन युवाओं के कंधों पर है।इस अवसर पर सतवीर सिंह, डम्बर सिंह, जयवीर सिंह, डा हसीन अहमद गफ्फारी, करन सिंह, सुंदर पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

हसनपुर में स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही, पांच (ओ.टी.) किए सील, संचालक फरार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध अस्पतालों के ऑपरेशन थियेटरों को सील किया है। स्वास्थ्य विभाग की यह कार्यवाही नवनियुक्त कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई है ,इस छापेमारी से क्षेत्र के अस्पताल संचालकों में बुरी तरह से हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि शनिवार को हसनपुर में चलाए जा रहे अवैध और मानकों के विपरीत निजी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटरों को सील कर दिया है। इस कार्रवाई को जनपद के नवनियुक्त कार्यवाहक सीएमओ डॉ योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिससे अवैध

अस्पताल चला रहे संचालकों में बुरी तरह से हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नगर के कई प्रमुख नर्सिंग होम का औचक निरीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि कई अस्पताल बिना वैध ऑपरेशन थिएटर (OT) पंजीकरण के ही सर्जरी कर रहे थे ,इस पर सीएमओ डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने तत्काल प्रभाव से ओटी को सील करने के निर्देश दिए। जिसमें अनमोल नर्सिंग होम, साईं जीवन दान नर्सिंग होम, टू सेवा हेल्थ केयर सहित पांच अस्पतालों पर कार्यवाही की गई। वहीं नगर में चल रही छापेमारी की सूचना मिलते ही न्यू सेवा नर्सिंग होम का संचालक अस्पताल बंद करके मौके से फरार हो गया ।स्वास्थ्य विभाग अब फरार संचालकों के खिलाफ भी कार्यवाही की तैयारी कर रहा है। वहीं कार्यवाहक सीएमओ डॉ योगेंद्र सिंह ने बताया कि जिन अस्पतालों के पास सामान्य पंजीकरण है लेकिन ऑपरेशन थिएटर का वैध लाइसेंस नहीं है उनकी ओटी को सील किया गया है उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कोई भी अपंजीकृत अस्पताल संचालित नहीं होने दिया जाएगा।

जो अस्पताल बिना पंजीकरण के चल रहे हैं वे तत्काल पंजीकरण कर ले अन्यथा उन्हें पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा ।इस अभियान के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएससी प्रभारी डॉक्टर ध्रुवेंद्र सिंह और भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यवाही से अवैध रूप से चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे केंद्रों में हड़कंप मच गया है।

7 जनवरी को महिला उत्पीडन की घटनाओं की होगी जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसो / सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी महोदय की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस

अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद अमरोहा में माह जनवरी 07 जनवरी 2026 को अपरान्ह 11;00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, संगीता जैन द्वारा, उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें।

सड़क सुरक्षा माह के तीसरे दिन वाहन चालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तीसरे दिन, 3 जनवरी को अफ्ळड कार्यालय परिसर में ट्रक, बस, ऑटो, टैक्सी और ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर दुर्घटनाओं को रोकना और चालकों को जागरूक करना था।बैठक में ARTO प्रवर्तन महेश शर्मा, यातायात पुलिस के टीएसआई अनिल मथुरिया, परिवहन विभाग के पीटीओ सुधीर सिंह तथा समाजसेवी अनिल जग्गा ने सक्रिय भाग लिया। सभी ने सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और चालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी। ARTO प्रवर्तन महेश शर्मा ने बताया कि हाईवे पर ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा का संचालन नियमानुसार प्रतिबंधित है, फिर भी ये वाहन अक्सर हाईवे पर दिखाई देते हैं। परिवहन विभाग और पुलिस द्वारा कार्रवाई करने पर चालक गरीबी का हवाला देकर छोड़ने की अपील करते हैं, लेकिन ऐसे वाहन गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। उन्होंने चालकों से क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाने और नियमों का पालन करने का आग्रह किया। समाजसेवी अनिल जग्गा ने वैध दस्तावेज रखने पर जोर देते हुए कहा कि सभी वाहनों के वैध प्रपत्र होना अनिवार्य है। उन्होंने वाहन बीमा के महत्व पर प्रकाश डाला और समझाया कि दुर्घटना के समय थर्ड पार्टी इंश्योरेंस क्लेम वाहन मालिक को बड़ी राहत प्रदान करता है।टीएसआई अनिल मथुरिया ने यातायात नियमों की पालना पर बल दिया। बैठक में विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस तरह की बैठकों से चालकों में जागरूकता बढ़ेगी और सड़कें अधिक सुरक्षित होंगी।

अमरोहा में सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह का भव्य आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर अमरोहा शहर के एक निजी बैंकट हॉल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न दलों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जो सामाजिक एकता और महिला शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक बना।मुख्य अतिथि के रूप में जौनपुर से पूर्व मंत्री एवं वर्तमान सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने शिरकत की। उनके साथ महिला आयोग के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा

लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में भारतीय जनता पार्टी के अमरोहा क्षेत्र से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राम सिंह सैनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राम सिंह सैनी ने कार्यक्रम की तैयारी से लेकर संचालन तक में सक्रिय योगदान दिया। सैनी समाज के प्रमुख नेता के रूप में वे सावित्रीबाई फुले के विचारों को समाज में फैलाने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम की शुरूआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों ने उनके जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डाला।

बाबू सिंह कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि सावित्रीबाई फुले न केवल महिला शिक्षा की प्रतीक हैं, बल्कि समानता और न्याय की लड़ाई की मिसाल भी। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाया जाए। महिला आयोग के सदस्य ने महिला अधिकारों और सशक्तिकरण पर जोर दिया। राम सिंह सैनी ने आयोजन की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन हमें प्रेरित करता है कि समाज सुधार के लिए व्यक्तिगत प्रयास कितने महत्वपूर्ण हैं।

रोटरी क्लब द्वारा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक यात्रा एवं नववर्ष समारोह का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के मैथिली गार्डन में रोटरी क्लब हसनपुर द्वारा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक यात्रा, क्लब अधिष्ठापन समारोह तथा नववर्ष समारोह का भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटेरियन नितिन अग्रवाल (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100) रहे, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन क्लब सचिव रोटेरियन अशोक कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय विद्यालयों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना, स्वागत गीत और बेटी की पुकार जैसे प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिन्हें उपस्थित जनों ने खूब सराहा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्लब ने सराहनीय कदम उठाते हुए गीता वर्मा, शिवानी सिंह, अंशु, अंजू, अनू एवं सरोज नामक छह महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित कीं। इस पहल से ये महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी और अपने परिवारों के लिए स्थायी आय का स्रोत प्राप्त कर सकेंगी।

मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन अग्रवाल ने रोटरी के सेवा भाव को एक प्रेरक कहानी के माध्यम से समझाते हुए कहा कि सेवा, त्याग और दान से ही समाज का सच्चा निर्माण होता है। उन्होंने क्लब के कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में अधिक सेवा प्रकल्पों को गति देने का आह्वान किया। रीजनल असिस्टेंट गवर्नर एवं क्लब ट्रेनर रोटेरियन अर्पण गुप्ता ने री१५ूी अुङ्ग५ी री'I के मूल मंत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि जहां सरकारी योजनाएं नहीं पहुंच पातीं, वहां रोटरी मानवता की सेवा में सबसे आगे रहती है। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल ने अपने विजन को साझा करते हुए शहर में रोटरी आंख अस्पताल, रोटरी चौराहा तथा शिक्षा-चिकित्सा क्षेत्र में बड़े प्रकल्पों की घोषणा की। इस अवसर पर छह नए सदस्यों–डॉ. अक्षय नागर, संजय भाटी, कुंवर पाल सिंह, प्रदीप सिंघल, आंचल अग्रवाल एवं बबीता अग्रवाल–को क्लब में शामिल किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने उन्हें रोटरी पिन पहनाकर औपचारिक स्वागत किया तथा क्लब पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। डिस्ट्रिक्ट सेक्रेट्री राजीव अग्रवाल ने रोटरी फाउंडेशन में दान के लिए प्रेरित किया, जबकि क्लब सचिव अशोक कुमार ने क्लब की वार्षिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम से पूर्व क्लब की असेंबली बैठक में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के साथ आगामी सेवा योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। आयोजन में क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों के अलावा अन्य रोटरी क्लबों के प्रतिनिधि तथा नगर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहे। समापन पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। रात्रि भोज के बाद नववर्ष का उत्साहपूर्ण जश्न मनाया गया तथा समाजसेवा के संकल्प को दोहराया गया।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण तिथियां में किया गया संशोधन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्व साधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर सर्विस मतदाताओं से सम्बन्धित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है। आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सर्विस मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी 2026 को किया जायेगा तथा अंतिम प्रकाशन दिनांक 06 मार्च 2026 को किया जाएगा।

अतः जनपद की चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (यथा 39-धनौरा (अ०जा०), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर) के संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारिया (उप जिलाधिकारी) तद्नुसार अग्रतर कार्रवाई कराना सुनिश्चित करेंगे।

बीआरएसएस कार्यकर्ताओं ने किया जन जागरण बैठक का आयोजन

समस्याओं के समाधान हेतु एकजुट होना अति आवश्यक : कामेन्द्र चौधरी

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा शनिवार को ग्राम - मवई डोल में इस्माइल खां के नेतृत्व में जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक की अध्यक्षता सेवक सैनी एवं संचालन निर्देश कुमार उर्फ मोनू ने किया ! बैठक को संबोधित हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि जन जागरण अभियान किसान, मजदूर एवं और मजलूमों की आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है ! संगठन विस्तार को लेकर की जाने वाली बैठकें आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों

में किसानों की एकजुटता और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए रणनीति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं। जब तक किसान एकजुट नहीं होंगे, उनकी आवाज सरकार तक मजबूती से नहीं पहुंचेगी। बैठक के मुख्य उद्देश्य गांव-गांव जाकर नए किसानों को संगठन से जोड़ना और उन्हें संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में बताना है ! साथ ही किसानों की स्थानीय स्तर पर खाद, बीज, बिजली आपूर्ति और आवारा पशुओं जैसी समस्याओं पर विचार-विमर्श कर मजबूती से समस्याओं का समाधान कराना है ! भ्रष्टाचार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ जनपद स्तर पर फैले भ्रष्टाचार के कारण जनता को शत प्रतिशत नहीं मिल पा रहा है ! कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार करते हुए अशरफ तुर्की को जिला सचिव (अ. मो.) संभल, मुशाहिद अली को ग्राम संगठन मंत्री, रईस अहमद को ग्राम महासचिव, मोज्जम अली को ग्राम महासचिव ग्राम सचिव, कय्यूम अली को युवा ब्लॉक सचिव असमोली, यूनुस अली को नगर सचिव संभल नियुक्त किया गया ! बैठक में जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार उर्फ मोनू, ब्लॉक महासचिव संभल डॉ. धीरेन्द्र त्यागी, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, युवा तहसीलप्रभारी राजीव कुमार, अशरफ तुर्की, अरकान प्रधान, मो. हसन, मुस्कुरान अली, यूसुफ अली, इकरार अली, अनीश अहमद, हाजी इब्राहिम, मुनाजिर अली, कय्यूम तुर्की, हाजी ताहिर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मौला अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिन पर परंपरागत जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

सम्भल(सब का सपना):- जिले के ग्राम शेर खां सराय, मंडी किशन दास सराय में हर साल की तरह इस वर्ष भी मौला अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिन के अवसर पर परंपरागत जुलूस निकाला गया। जुलूस में सैकड़ों अकीदत मंदों ने भाग लिया और आपस में मुबारकबाद देकर अपनी मोहब्बत का इजहार किया। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, जिसके चलते आयोजन पूरी शांति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जुलूस का शुभारंभ स्थानीय इमामबाड़े से हुआ, जो बस्ती रोड, बिजलीघर, मौलाना जिहानत के चौक और दूल्हा की बैठक होते हुए पुनः इमामबाड़े पर जाकर समाप्त हो गया। धार्मिक उत्सव का माहौल छाया रहा। जुलूस में प्रशासन का भारी पुलिस बल तैनात रहा, जो पूरे मार्ग पर नजर रखे हुए था। इस अवसर पर ग्राम के प्रमुख लोगों ने

सक्रिय भागीदारी निभाई। इसमें शमशीर अली,मोहम्मद आरिफ अली, असद अली, मो. उवैस, ग्राम प्रधान सरताज हुसैन, अरशद हुसैन, मो. जुबैर, शाहिक अली, राहिल अली, मुकीम अली, भूरा अली, मो. आलम, शाहबाज अली, खालिक अली, सलमान नबी, अब्दुल माजिद, मुराद अली, जिया उल हक आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी और सामुदायिक सद्भाव का संदेश दिया।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सावित्री बाई फुले की मनाई जयंती

उनकी जयंती पर हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए:- फिरोज खां

सम्भल(सब का सपना):- सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के नेतृत्व में उनके निजी कार्यालय पर भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई गई फिरोज खाँ ने उनके चित्र पर मालार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की पूर्व जिला अध्यक्ष फिरोज खाँ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा सावित्रीबाई फुले ने 19वीं सदी में महिला शिक्षा, लिंग समानता और सामाजिक सुधार के लिए अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया था, जो उस समय एक

क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की वकालत की और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया
सावित्रीबाई फुले की जयंती हमें उनके सामाजिक सुधार के कार्यों को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करती है। महिलाओं और दलित समुदायों के उत्थान के लिए काम किया और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए संघर्ष किया। उनकी जयंती पर हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए और पीडीए के जननायक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत कर उत्तर प्रदेश में 2027 में सरकार बनाने का कार्य करते रहे आने वाला समय पीडीए की एकजुटता का है।
बैठक में शामिल रहे जाहिद खाँ वाहिज खाँ जबर सिंह अब्बास खाँ सलीम रामरहिस यादव अमरपाल यादव गौरव यादव गुलाम फैजान शाही आरिफ खाँ नफीस विरेश राजेश यादव मोनिस कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

श्री पी डी टंडन सेवा संस्थान द्वारा कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और कैंसर के बारे में की जानकारी प्राप्त

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- श्री पी डी टंडन सेवा संस्थान, वात्सल्य लखनऊ और फावा नेटवर्क के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन साईं धाम कॉलोनी, चंदौसी में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुंह कैंसर, गर्भाशय कैंसर और स्तन कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक हेमंत बाबू ने कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन अगर समय पर इसका पता लगाया जाए तो इसका

इलाज संभव है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी से ही कैंसर को डिटेक्ट किया जा सकता है और जितनी जल्दी उपचार मिलेगा, उतने ही कैंसर सही होने के ज्यादा चांस हैं। हेमंत बाबू ने मुंह कैंसर, गर्भाशय कैंसर और स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कैंसर के प्रति जागरूक हों और नियमित जांच कराएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और कैंसर के बारे में जानकारी प्राप्त की। संस्थान के कार्यकर्ताओं ने लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके प्रति सचेत करना है। आइए, हम सभी मिलकर कैंसर के प्रति जागरूक हों और इस बीमारी को हराने में अपना योगदान दें।

कोहरे के कहर के बीच यातायात पुलिस की अनोखी पहल

बैलगाड़ियों पर रिफ्लेक्टर लगाकर बढ़ाई सड़क सुरक्षा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता कम होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के बीच पुलिस ने जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक अनोखी पहल शुरू की है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के सख्त निर्देशों पर यातायात पुलिस ने ग्रामीण इलाकों में चलने वाली पारंपरिक बैलगाड़ियों पर भी रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान चलाया है। इस कदम से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि आम जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। क्षेत्राधिकारी यातायात और यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में संभल यातायात पुलिस की टीम ने कोहरे की स्थिति को

ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता बरती है। बालियान ने बताया, कोहरा मौसम में वाहनों की दृश्यता कम होने से छोटे-मोटे वाहनों जैसे बैलगाड़ियों को नजरअंदाज कर देना आम बात है। हमने स्थानीय किसानों और ग्रामीणों के साथ मिलकर सैकड़ों बैलगाड़ियों पर चमकदार रिफ्लेक्टर लगाए हैं, ताकि रात या धुंध में इन्हें आसानी से देखा जा सके। यह जनता की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा, सड़क सुरक्षा कोई शहर-सीमित मुद्दा नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में बैलगाड़ियां महत्वपूर्ण वाहन हैं, और इनकी अनदेखी घातक साबित हो सकती है। हमारी टीम पूर्णत, सतर्क है और कोहरे के दौरान नियमित चेकिंग के साथ जागरूकता अभियान भी चला रही है। उनके निर्देशन में यातायात पुलिस ने न केवल रिफ्लेक्टर वितरित किए, बल्कि चालकों को फ्लैशलाइट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की भी ट्रेनिंग दी। इस पहल से स्थानीय निवासियों में उत्साह है। पुलिस का यह कदम सराहनीय है। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, हेडलाइट जलाएं और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें।

असहाय बुजुर्गों के साथ वृद्ध आश्रम में रोटरी क्लब अमरोहा ने मनाया नव वर्ष

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था रोटरी क्लब ने नव वर्ष एक अनूठे तरीके से मनाया , नव वर्ष का प्रारंभ मानव सेवा के साथ किया , 1 जनवरी को सुबह संस्था के सदस्य क्लब अध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल के नेतृत्व में हसनपुर रोड,डोमखेडा में स्थित बाबा घनश्याम दास महाराज वृद्धाश्रम में पहुंचे , ओर वहां निवास कर रहे वृद्धजनों के साथ नव वर्ष की खुशियां मनाई , और ताजा भोजन बनवाकर खुद अपने हाथों से परोस कर उन्हें खिलाया। साथ ही उन्हें दैनिक उपयोग में आने वाले दैनिक जरूरतों का सामान आटा, घी, गुड़, तेल, चीनी, फल, मिठाई आदि खाद्य सामग्री के साथ नहाने,कपड़े धोने के साबुन, सर्फ, विंटर किट, दवाइयां आदि वितरित किया। रोटरी सदस्यों ने वहां स्थित मंदिर में इन असहाय बुजुर्गों के लिए प्रभु से प्रार्थना भी की । रोटरी सदस्य जब वृद्धाश्रम पहुंचे

तो महसूस किया कि यहां पर रहने वाले लोगों में वृद्ध होने के साथ साथ मानसिक रूप से भी बीमार लोग भी हैं , जिनकी देखभाल करना निश्चित रूप से काफी कठिन है, और इस आश्रम में काफी सीमित साधन हैं, इन लोगों को वास्तविक रूप से सहयोग, प्यार, देखभाल की जरूरत है, यहां आकर सभी सदस्य काफी भावुक हो गए और यहां सेवा करके काफी सुखद अनुभव महसूस किया और यह महसूस किया कि यह वृद्धाश्रम कम मानव सेवा केंद अधिक लगता है, वहां के संचालक देवीराम जी ने बताया कि काफी यहां रहने वाले काफी लोगों को तो यह भी नहीं पता लगता कि उनकी सेवा कौन कर रहा है, उनमें अपना सेंस नहीं है, उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां लगभग 40 लोग रह रहे हैं, रोटरी क्लब द्वारा की गई भोजन व्यवस्था, दैनिक जरूरतों के दिए गए समान और सेवा करने के लिए सभी का धन्यवाद किया । इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल ने कहा कि यहां आकर सही मायनों में आत्म संतुष्टि हुई और रोटरी का मूल उद्देश्य स्वयं से बढ़कर सेवा पूर्णतः चरितार्थ हो रहा है यहां पर सीमित साधन हैं और जरूरतें काफी हैं, और जो लोग यहां रह रहे हैं उनकी सेवा करना ही सच्ची सेवा करना है, आज हमने एक छोटा सा प्रयास किया है और आगे भी रोटरी क्लब अमरोहा द्वारा यहां पर हर संभव सहयोग किया जाएगा, एवं सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से भी सहयोग की अपील की । एवं यहां के संचालक देवीराम जी को भी साधुवाद दिया । इस अवसर पर सचिव मनु कमल गुप्ता, कोषाध्यक्ष स. जितेंद्र सिंह , कार्यक्रम संयोजक रवि माहेश्वरी, डॉ जी पी सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त आशीष गोयल, विकास मदान, संजीव बंसल, गौरव गोयल एड, रचित गोयल, हितेंद्र यादव आदि सदस्य उपस्थित रहे।

भजनों से गुंजा महामृत्युंजय तीर्थ मंदिर, गरीबों को बांटे गए स्वेटर-कंबल

संभल(सब का सपना):- नए साल आगमन के उपलक्ष्य में जनपद के हयातनगर क्षेत्र स्थित प्राचीन महामृत्युंजय तीर्थ मंदिर में वार्ष्णेय वेल्फेयर सोसाइटी सरायतरीन एवं हयातनगर की ओर से एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महिलाओं ने भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान के गुणगान किए और सभी के मंगल की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिलाओं की भागीदारी रही। सभी ने मिलकर भजन गाए और नए साल को आध्यात्मिक तरीके से

स्वागत किया। इसके साथ ही सामाजिक सेवा के तहत गरीबों एवं जरूरतमंदों को स्वेटर, कंबल, शाल, जैकेट और अन्य गर्म वस्तुओं का वितरण किया गया। आयोजन की कमान खुशबू ने संभाली, जबकि संचालन नीलिमा एवं रेखा मोना ने कुशलतापूर्वक किया। इस कार्यक्रम में लगभग 40 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने न केवल भजनों में योगदान दिया बल्कि जलपान एवं प्रसाद के वितरण में भी सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन से मंदिर परिसर भक्ति और सेवा के भाव से ओत-प्रोत हो उठा। महामृत्युंजय तीर्थ मंदिर संभल के हयातनगर में स्थित है और भगवान शिव की कृपा का प्रतीक माना जाता है। ऐसे आयोजन स्थानीय समुदाय में धार्मिक उत्साह और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात पुलिस ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार गजरौला में सुरक्षा माह के अंतर्गत अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अमरोहा एसपी के निर्देशन में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में इस कार्यवाही को गजरौला थाना प्रभारी मनोज

कुमार एवं प्रभारी यातायात अमरोहा अनुज मालिक द्वारा अपनी टीम के साथ गजरौला क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा गजरौला एवं हसनपुर रोड पर किया गया।इस अभियान के दौरान शहर में सड़क के किनारे एवं मुख्य मार्गों पर यातायात में बाधा उत्पन्न कर रही रेड़ी, रिक्शा एवं ठेलों को हटाया गया तथा संबंधित लोगों को भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई।इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य यातायात को सुचारू बनाए रखना ,सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना एवं आमजन को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान करना है। पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु इस प्रकार की अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

कैंप कार्यालय बहजोई पर सपाइयों की मासिक बैठक हुई आयोजित

बैठक में सभी पदाधिकारियों ने साबित्री बाई फूले के चित्र पर की पुष्पांजलि अर्पित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय बहजोई पर पार्टी की मासिक बैठक संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा सभी विधानसभाओ के बी एल ए जिले के विधानसभा ब्लाक नगर अध्यक्ष एवं सभी संगठन के पदाधिकारी एवं सम्मानित कार्यकर्ता अभी एस आई आर में लग रहे थे सभी को धन्यवाद करता हूं एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निदेर्शानुसार 6 जनवरी को एस आई आर वाली वोटर लिस्ट ड्राफ्ट रोल आने वाली है जिसके नाम छूट गए हो सभी मिलकर उन नामो को ठीक करा कर वोटर लिस्ट में दर्ज कराये जिलाध्यक्ष ने कहा कि सभी फ्रंटल

संगठन अपनी तारीख पर अपने अपने संगठन की मीटिंग करने का काम करें संचालन कर रहे जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा सभी जनता के बीच रहकर नए वोट बनवाने का काम करें बैठक में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं पदाधिकारियों ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा सावित्रीबाई फुले ने 19वीं सदी में महिला शिक्षा, लिंग समानता और सामाजिक सुधार के लिए अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया था, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की वकालत की और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।सावित्रीबाई फुले की जयंती हमें उनके सामाजिक सुधार के कार्यों को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करती है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा उन्होंने महिलाओं और दलित समुदायों के उत्थान के लिए काम किया और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए संघर्ष किया। उनकी जयंती पर हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। बैठक में शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरेशी,कमल शर्मा, अशोक राणा, सुभाष पाल ,उमर सभा सद, मास्टर आकिल, जीशान सभासद, रहुफ भाई,डा हसराज, मलखान सिह एडवोकेट, शेख सददन, विवेक आजाद ,रियासत, अशोक गुप्ता, वीरन यादव, रविंद्र यादव ,शिवम यादव, अंश वरनवाल ,मनीष यादव, आकाश शखधार , धर्मेंद्र यादव, प्रमोद ठाकुर ,अजय पाल यादव, सद्दाम भाई ,रणवीर सिंह यादव, पहलवान,अकिल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 27 वैवाहिक विवाद सुलझे, 6 परिवार फिर से एक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस की अनूठी पहल 'पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र' एक बार फिर परिवारों को जोड़ने में सफल रही। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे इस केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की देखरेख परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह ने की। काउंसलरों ने पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया। इस दौरान कुल 52 पत्रावलियों की सुनवाई हुई, जिसमें 27 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। सबसे

महत्वपूर्ण बात यह रही कि 6 परिवारों को फिर से एकजुट किया गया, जिससे टूटते परिवारों में खुशियां लौट आईं। इसके अलावा, 16 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा आगे बल न देने के कारण बंद कर दिया गया, जबकि 6 मामलों में विधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई। बैठक में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक, LHC रश्मि गहलोत, LC ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की इस पहल से संभल जिले में वैवाहिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान हो रहा है, जो समाज में सकारात्मक संदेश दे रही है। इससे पहले भी ऐसे केंद्रों के माध्यम से कई परिवारों को बिखरने से

क्या 1000 करोड़ के फ्रॉड में इस कपंनी को बचा रही है दिल्ली पुलिस... अरेस्ट न कर बेल दिलाने की है तैयारी?

नई दिल्ली। बैंकों की नीलामी वाली प्रॉपर्टी के नकली दस्तावेज बनवाकर लोगों को आधी कीमत में बेचने और विदेशी लग्जरी कारें भी आधी कीमत में बेचने का झांसा देकर करीब 200 लोगों से एक हजार करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने के मामले में दिल्ली पुलिस आरोपियों को पकड़ नहीं पा रही है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच मुख्य आरोपी मोहित गोगिया की पत्नी श्वेता गोगिया व बाबा जी फाइनेंस कंपनी के मालिक राम सिंह को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। आरोप है कि दोनों को दिल्ली हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल जाने के लिए पुलिस कहीं न कहीं उन्हें जानबूझ कर ढील दे रही है। सूत्रों की मानें तो इस मामले में गोगिया सिंडिकेट ने सबसे अधिक करीब 100 करोड़ से अधिक रुपये की धोखाधड़ी यूनिटी कंपनी के साथ की थी। जिससे पैसों के बल पर यूनिटी कंपनी ने पंजाब व मध्य प्रदेश से लेकर दिल्ली तक मोहित गोगिया एंड कंपनी के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज करवा दिए। बताया जाता है कि पुलिस के जरिये दबाव बना यूनिटी के मालिक कृष्ण अग्रवाल ने मोहित गोगिया से 100 करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टी व दो महंगी कारें अपने नाम करवा भी लिया है। गोगिया एंड कंपनी से और अधिक पैसे वसूलने व समझौते की डील जारी है। इसलिए पुलिस अब तक श्वेता गोगिया और राम सिंह को नहीं पकड़ रही है। मोहित गोगिया को जल्द जमानत दिलाने के लिए भी यूनिटी कंपनी से कई तरह के समझौते की डील जारी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यूनिटी कंपनी ने हरियाणा में गुरुग्राम आदि कई जगहों पर मोहित गोगिया की सात प्रॉपर्टी व उसकी दो मर्सिडीज बेंज कारें अपने नाम कर लिया है। पुलिस ने यूनिटी कंपनी के मालिक को धोखाधड़ी की बड़ी रकम तो दिलवा दी लेकिन बड़ी संख्या में अन्य पीड़ित कई साल से दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा, क्राइम ब्रांच, जिला पुलिस के अलावा हरियाणा, पंजाब व भोपाल पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। पुलिस उनके पैसे वापस नहीं दिलवा पा रही है। केवल यूनिटी कंपनी के पैसे दिलवाने में दिल्ली पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाई। पिछले नौ साल से कई पीड़ित ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में सात केस दर्ज करवाया, लेकिन अबतक पुलिस ने किसी भी पीड़ित की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। जिससे आर्थिक अपराध शाखा के जांच अधिकारियों व तत्कालीन आईपीएस अधिकारियों की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि गोगिया के दुबई स्थित बैंक खाते में जमा 1.80 करोड़ रुपये पुलिस ने भारत सरकार की मदद सो सीज करवा दिया है। बताया जा रहा है कि गोगिया के कहने पर राम सिंह ने 109 करोड़ रुपये हवाला के जरिये दुबई भिजवाया था। उसने अपना सर्विस चार्ज लेकर ऐसा किया था। उस रकम से गोगिया ने दुबई में तीन फ्लैट खरीदे। वह अपने बच्चों के साथ वहीं रहना चाहता था। गोगिया एंड कंपनी के खिलाफ कई राज्यों में 16 केस होने का पता चला है। हर मामले में पुलिस गिरफ्तार पांच आरोपितों को बारी-बारी से रिमांड लेगी।

सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई 195वीं जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- शहर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक पूज्य माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई।कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन संघर्ष को याद किया। इसके बाद वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था। वे अपने पति महात्मा ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर महिला शिक्षा की अलख जगाने वाली पहली महिला बनीं। 1848 में पुणे में उन्होंने भारत की पहली बालिका विद्यालय की स्थापना की और स्वयं उसकी पहली शिक्षिका बनीं।वक्ताओं ने उनके योगदान को

रेखांकित करते हुए कहा कि उस दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को पाप माना जाता था, सावित्रीबाई ने रूढ़िवादी समाज का डटकर मुकाबला किया। उन्हें पत्थरबाजी और अपमान सहना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह विरोध, छुआछूत उन्मूलन और दलित-शोषित वर्ग के उत्थान के लिए जीवनभर संघर्ष किया। प्लेग महामारी में भी उन्होंने पीड़ितों की सेवा की और 10 मार्च 1897 को इसी सेवा में अपना बलिदान दिया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि सावित्रीबाई फुले के आदर्शों पर चलकर महिला शिक्षा और सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें बच्चों ने उनके जीवन पर आधारित नाटक और कविताएं प्रस्तुत कीं।सावित्रीबाई फुले का योगदान आज भी लाखों महिलाओं को प्रेरित करता है। उनकी जयंती पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, और अमरोहा का यह आयोजन भी उनके प्रति श्रद्धांजलि का एक सुंदर उदाहरण बना। इस अवसर पर वरन सिंह, हरपाल सिंह, महेश कुमार गौतम, महेश कुमार, बिजेंद्र सिंह, निशि भूषण, डॉ रेनू, साथी भाभी तादाद में लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट के बाहर हेलमेट जागरूकता अभियान, बिना हेलमेट वाहन चालकों को दी गई सलाह

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर एक विशेष हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी ने किया। अभियान के तहत दोपहिया वाहनों पर सवार बिना हेलमेट के चालकों को रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों को न केवल चेतावनी दी गई, बल्कि उन्हें मौके पर ही हेलमेट खरीदने के लिए

प्रेरित भी किया गया। पुलिस टीम ने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने, हेलमेट के अनिवार्य उपयोग तथा दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी साझा की। चालकों को बताया गया कि हेलमेट पहनना न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि यह जान बचाने का सबसे प्रभावी साधन भी है। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने आमजन से अपील की है कि सभी यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें। उन्होंने कहा, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। इससे दुर्घटनाओं में होने वाली अनमोल जानों की हानि को रोका जा सकता है। हमारा उद्देश्य सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करना है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान अपनी टीम के साथ मौके पर उपस्थित रहे। अभियान को सफल बताते हुए अधिकारियों ने कहा कि ऐसी पहलें भविष्य में भी जारी रखी जाएंगी ताकि जागरूकता का स्तर और ऊंचा हो सके। स्थानीय लोगों ने इस प्रयास की सराहना की और आश्वासन दिया कि वे नियमों का पालन करेंगे। यह अभियान सम्भल जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जहां पिछले वर्षों में हेलमेट न पहनने के कारण कई हादसे दर्ज किए गए हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी बिलाल नसीर मल्ला को न्यायिक हिरासत में भेजा, उमर को दिया था लॉजिस्टिक सपोर्ट

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने लाल किला बम धमाका मामले में आरोपी बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आठ दिन की रिमांड पूरी होने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया मामले की सुनवाई प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में हुई। अदालत ने एनआईए की दलीलें सुनने के बाद मल्ला को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। एनआईए के अनुसार, डॉ. बिलाल मल्ला इस आतंकी साजिश का अहम हिस्सा है। एजेंसी का दावा है कि उसने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी को पूरी जानकारी होने के बावजूद लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराया था। एनआईए का यह भी आरोप है कि मल्ला ने हमले से जुड़े अहम सुबूत नष्ट करने की कोशिश की। एजेंसी ने उसे नौ दिसंबर को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

दिल्ली में निजी वाहनों की बिक्री का टूटा रिकॉर्ड, आर्थिक खुशहाली की चमक में छिपा खतरा

नई दिल्ली। दिल्ली में 2025 में वाहन बिक्री ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, लेकिन यह खुशी की बजाय चिंता का विषय है। यह रिकॉर्ड बिक्री निजी वाहनों में हुई है। वहीं सार्वजनिक परिवहन की दिशा में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। इससे शहर की भीड़भाड़ और वायु प्रदूषण की समस्या और गंभीर हो सकती है, जबकि राजधानी पहले से ही खराब हवा की समस्या से जूझ रहे हैं। 2025 में दिल्ली में कुल 8 लाख 16 हजार 51 नए वाहनों का पंजीकरण हुआ। इनमें से लगभग 7.2 लाख निजी वाहन थे। यह दशार्ता है कि अधिकांश खरीदारों ने निजी वाहनों को प्राथमिकता दी। इनमें से करीब 75% वाहन पेट्रोल पर चलने वाले थे, जिसमें 3.89 लाख पेट्रोल-ओनली और 1.99 लाख पेट्रोल या एथेनॉल वाहन शामिल हैं। इंटरनेशनल काउंसिल फॉर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के भारत मैनेजिंग डायरेक्टर अमित भट्ट ने कहा, "हालांकि हम डीजल को कम करने में सफल रहे हैं, लेकिन पेट्रोल अभी भी मौजूद है और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) को बढ़ावा देने की जरूरत है। निजी पेट्रोल वाहनों पर इतनी ज्यादा निर्भरता दशार्ती है कि कुल बिक्री बढ़ रही है, लेकिन दिल्ली की भीड़भाड़ और प्रदूषण की चुनौतियां सुधरने की बजाय और खराब हो सकती हैं।" उन्होंने आगे कहा, "सड़कों पर ज्यादा वाहन, चाहे वे किसी भी ईंधन पर चलें, हमेशा भीड़भाड़ बढ़ाते हैं। हालांकि, इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहन हवा की गुणवत्ता पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कुल वाहन पंजीकरण में इतनी वृद्धि यह संकेत देती है कि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली अभी भी इतनी आकर्षक या विश्वसनीय नहीं है कि लोग अपने निजी वाहनों को घर पर छोड़ दें या नए वाहन खरीदने से बचें।" एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट के फैकल्टी अनिल छिकारा ने कहा, "सरकार द्वारा एथेनॉल ब्लेंडिंग को अनिवार्य करने के कारण आज बिकने वाले अधिकांश नए पेट्रोल वाहन डिफॉल्ट रूप से एथेनॉल वाले हैं, जिसका मतलब है कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी पेट्रोल का उपयोग कर रहे हैं।" ईवी-सीएनजी वाहनों की बिक्री में मामूली वृद्धि उन्होंने कहा, "पेट्रोल और पेट्रोल-एथेनॉल को एक ही श्रेणी में रखना चाहिए। खरीदार अलग निर्णय नहीं ले रहे; वे सिर्फ नियमों का पालन कर रहे हैं। ईवी पॉलिसी को बेहतर तरीके से बढ़ावा देने की जरूरत है।" हालांकि इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहन बढ़ रहे हैं, लेकिन उनकी हिस्सेदारी पेट्रोल से चलने वाले निजी वाहनों की तुलना में अभी भी छोटी है। महीने-दर-महीने की बिक्री में जनवरी से सितंबर तक स्थिरता दिखी। लेकिन अक्टूबर में पंजीकरण 1.14 लाख तक पहुंच गया और नवंबर में 88,804 हो गया।

इंदौर की जहरीले पानी से मौतों पर दिल्लीवासियों को एएपी की चेतावनी, भाजपा सरकार पर लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। भाजपा शासित मध्यप्रदेश के इंदौर में जहरीला पानी पीने से हुई कई लोगों की मौत और कइयों के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना ने दिल्ली समेत देश बड़े शहरों में रह रहे लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को इंदौर की घटना से सबक लेकर सचेत रहने की चेतावनी दी है। 'आप' के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि इंदौर की घटना खतरे की बड़ी चेतावनी है। ऐसे में दिल्ली की जनता को भी पीने के पानी को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। मध्यप्रदेश समेत देश के लगभग सभी बड़े शहरों में भाजपा की सरकार है। पूरा देश इंदौर में भाजपा सरकार की लापरवाही को देख चुका है। इंदौर जैसी घटना दूसरे शहरों में भी संभव है। अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा का घमंड इस बात से साफ झलकता है कि वह उन्हें चुनने वाले लोगों के साथ कैसा व्यवहार करती है। जनता ने भाजपा को मध्य प्रदेश में चुना है। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में सांसद-विधायक और पार्षद भाजपा के हैं, नगर निगम, कमिश्नर और प्रदेश में सरकार भी भाजपा की है। इतने इंजन होने के बाद भी भाजपा सरकार में गंदा पानी पीने की वजह से 14 लोगों की मौत हो गई, सैकड़ों लोग अभी भी बीमार हैं और बीमार लोगों की तादाद अभी और बढ़ सकती है। अनुराग ढांडा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार की नाकामियों पर उसके मंत्री से सवाल पूछता है, तो वह अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। भाजपा मंत्री के रवैए से लगता है कि भाजपा के लिए दूषित पानी पीने हुई बच्चों की मौत कोई मुद्दा ही नहीं है। भाजपा के लिए लोगों की जान की कोई कीमत नहीं है। अनुराग ढांडा ने कहा कि अब दिल्ली में भी भाजपा की सरकार आ गई है। केंद्र और एमसीडी में भी भाजपा की सरकार है। दिल्ली की जनता को भी अपने घरों में आपूर्ति होने वाले पानी को लेकर बहुत सचेत रहने की जरूरत है। क्योंकि इंदौर में सरकार की लापरवाही की वजह से लोगों को जिस तरह की समस्या का सामना करना पड़ा, वैसा किसी और शहर में भी हो सकता है। अनुराग ढांडा ने कहा कि इस वक्त जहां भी बड़े शहर हैं, चाहे वह मुंबई हो या दिल्ली, वहां भाजपा की सरकार है। ये लोग कैसी लापरवाही बरतते हैं, इसका उदाहरण मध्य प्रदेश में मिल चुका है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर कोई ऐसी केंद्रीय एजेंसी होनी चाहिए

पुलिस मुठभेड़ में दो वांछित चोर गिरफ्तार, एक घायल

धनारी/संभल(सब का सपना):- जनपद में अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए थाना धनारी पुलिस ने शुक्रवार को एक साहसी मुठभेड़ में दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में एक अभियुक्त को गोली लगने से घायल होने के बाद दोनों को न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देश पर चल रहे वांछित,वारंटी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा (दक्षिणी) के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष संजय कुमार मय फोर्स ने ग्राम मझौला के पास

चेकिंग की। मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोका, लेकिन वे भागे। पीछा करने पर कच्चे रास्ते पर मुठभेड़ हुई। अभियुक्तों ने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग की, जिसके जवाब में आत्मरक्षा में पुलिस ने तीन राउंड गोली चलाई। राहिद (पुत्र मुन्ने खाँ) के दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा शिवम उर्फ शूजल उर्फ छोटल्ला (19, पुत्र सोनू) भागने की कोशिश में पकड़ा गया। दोनों थाना हाजा के मुकदमें के अभियुक्त हैं। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे अपने साथी अदनान के साथ मिलकर धनारी क्षेत्र के नगला चतुर्भुजपुर, पीपलवाड़ा, उधरनपुर, भकरौली, मझौला, फतेहपुर व किशनपुर श्यामपुर में नकबजनी व चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। चोरी का माल (बैटरी, इन्वर्टर, एनवीआर, एलईडी, बर्तन व जेवर) ग्राम भकरौली के पास जंगल में छिपाया है। पुलिस ने 3700 रुपये बरामद किए। साथी अदनान की तलाश जारी है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी कर दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

दिल्ली के नरेला में दिनदहाड़े 50 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के नरेला थाना क्षेत्र अंतर्गत घोगा गांव में शुक्रवार को एक सनसनीखेज वारदात हुई। 50 वर्षीय व्यक्ति की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात दिनदहाड़े हुई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हत्या की सूचना मिलते ही क्षेत्र में दहशत फैल गई। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। गुस्साए लोगों ने नरेला-बवाना रोड को जाम कर दिया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नरेला थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

दिल्ली विधानसभा में अटल-मालवीय की स्थापित की गई तस्वीर, राजनाथ सिंह ने सुनाए दिलचस्प किस्से

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विधानसभा सदन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और वरिष्ठ पत्रकार व पद्म भूषण राम बहादुर राय भी उपस्थिति रहे। महान व्यक्तित्व थे वाजपेयी और महामना मालवीय - राजनाथ सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम दो ऐसे महापुरुषों को याद कर रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता संग्राम को अपने जीवन का आधार बनाया। अटल बिहारी वाजपेयी और महामना मालवीय दोनों ही बहुआयामी व्यक्तित्व और महान विचारक थे।

उन्होंने कहा कि अटल जी का मानना था कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने भी इस विचार को अपने जीवन में आत्मसात किया है। रक्षा मंत्री ने अटल जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे हाजिर-जवाब और राजनीतिक शुचिता के प्रतीक थे। उन्होंने एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि जब अटल जी पाकिस्तान गए थे, तो वहां एक महिला पत्रकार ने मजाक में उनसे शादी की इच्छा जताई और बदले में कश्मीर मांगने की बात कही। इस पर अटल जी ने सहज व्यंग्य में जवाब दिया था कि वे शादी कर लेंगे, लेकिन दहेज में पूरा पाकिस्तान चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि अटल जी हमेशा मयार्दा में रहकर आलोचना करते थे। हिमाचल प्रदेश के एक मंच का उदाहरण देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि वहां कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह मौजूद थे। अटल जी ने उनकी आलोचना भी की, लेकिन इतनी शालीनता से कि मुख्यमंत्री को बुरा तक नहीं लगा। अटल जी ने कहा कि आप के मुख्यमंत्री भद्र तो हैं मगर वीर नहीं हैं। कहा कि सही मायनों में अटलजी महामना जी के विचारों के सच्चे उत्तराधिकारी थे। अटल जी ने कहा था–आपके मुख्यमंत्री भद्र तो हैं, मगर वीर नहीं हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सही मायनों में अटल जी महामना मालवीय के विचारों के सच्चे उत्तराधिकारी थे। अटल और महामना जी की तपस्या बनाती रहेगी सुशासन का मार्ग इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल साइट एक्स पर संदेश कर कहा कि सदन परिसर में सुशोभित ये चित्र उन महान आदर्शों की जीवंत उपस्थिति हैं, जिन्होंने आधुनिक भारत के वैचारिक आधार को गढ़ा है।

कोहरे में देरी से चलने वाली ट्रेनों की चाल सुधरी, बिहार आने-जाने वाली ट्रेनें अभी भी घंटों लेट

नई दिल्ली। कोहरे में कमी आने से रेल यात्रियों को भी कुछ राहत मिली है। पिछले दिनों की तुलना में शनिवार को ट्रेनें की चाल में कुछ सुधार हुई है। पिछले दिनों जहां 70 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब से दिल्ली पहुंच रही थीं। इनमें कई ट्रेनें 10 से 15 घंटे देरी से चल रही थी। शनिवार से हल्की राहत वहीं, शनिवार को देर से चलने वाली ट्रेनों की संख्या में कमी आई है। देरी से चलने वाली ट्रेनों की अवधि भी पहले से कम हुई है। यानी जो ट्रेन 10 घंटे विलंब से चल रही थी उनमें से अधिकांश शनिवार को दो से छह घंटे लेट हैं। लेकिन, बरौनी हमसफर सहित कुछ ट्रेनों की यात्रियों की परेशानी बनी हुई है। शुक्रवार को आने वाली बरौनी हमसफर एक्सप्रेस 30 घंटे के विलंब से शनिवार को नई दिल्ली पहुंची। इस कारण यह 21.40 घंटे के विलंब से रवाना होगी। इसी तरह से झेलम एक्सप्रेस 45 घंटे से अधिक विलंब से चल रही है। नई दिल्ली से शुक्रवार शाम 5.55 बजे चलने वाली बरौनी हमसफर 21.40 घंटे की देरी से शनिवार अपराह्न 3.35 बजे रवाना होगी। हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक घंटा देरी से चलेगी। दरभंगा हमसफर आठ घंटे, सीएसएमटी मुंबई-अमृतसर एक्सप्रेस 10 घंटे, अगरतला-अमृतसर त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस साढ़े छह घंटे के विलंब से चल रही है।

दिल्ली मेट्रो की छोटी पहल बनी बड़ी मिसाल, ईस्ट विनोद नगर स्टेशन को मिला खास अवार्ड

पूर्वी दिल्ली। कहते हैं छोटी लेकिन निरंतर की गई कोशिशों से अक्सर बड़े बदलाव जन्म लेते हैं। पिंक लाइन पर स्थित ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन ने कुछ ऐसी ही पहल की है, जिसने उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। ऊर्जा संरक्षण को केवल नीति नहीं, बल्कि रोजमर्रा के संचालन का हिस्सा बनाकर स्टेशन प्रबंधन ने यह साबित कर दिया कि एक छोटा सा शहरी परिवहन केंद्र भी पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकता है। इन्हीं प्रयासों के चलते ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन को वर्ष 2025 के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार में मेट्रो स्टेशनों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इकाई का सम्मान मिला है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने देशभर के मेट्रो स्टेशनों से प्राप्त आवेदनों का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन का चयन किया। डीएमआरसी के सीपीआरओ अनुज दयाल के अनुसार ईस्ट विनोद नगर ने अपनी श्रेणी में आवेदन करने वाले 90 से

अधिक स्टेशनों को पछाड़कर यह अवार्ड अपने नाम किया है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में स्टेशन ने बिजली की कुल खपत में लगातार कमी दर्ज की है साथ ही ऊर्जा प्रदर्शन सूचकांक में भी लगातार सुधार किया है। सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन की छत पर एक सौ पचास किलोवाट क्षमता की सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई है। स्टेशन की कुल खपत लगभग 300 किलोवाट है। प्रणाली स्टेशन की कुल ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 49 प्रतिशत भाग पूरा कर रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग से न केवल पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हुई है, बल्कि पर्यावरण को होने वाले नुकसान में भी उल्लेखनीय कमी आई है। यह पहल स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास मानी जा रही है। प्रकाश व्यवस्था में ऊर्जा बचत का बड़ा बदलाव ऊर्जा संरक्षण के उद्देश्य से स्टेशन पर चार सौ पांच पारंपरिक ट्यूब लाइट फिटिंग्स को हटाकर कम बिजली खपत वाली प्रकाश व्यवस्था लगाई गई है। बताया जा रहा है कि 80 और 100 वाट की क्षमता की लाइटों को हटाकर 28 और 14 वाट की एलईडी लाइटें स्थापित की गई हैं।

ये नई एलईडी लाइटें कम ऊर्जा में अधिक रोशनी देती हैं और उनकी कार्यक्षमता भी अधिक समय तक बनी रहती है। इस बदलाव से स्टेशन की कुल बिजली खपत में स्पष्ट रूप से कमी दर्ज की गई है, साथ ही रखरखाव से जुड़ी लागत भी घटी है। निरंतर निगरानी और स्मार्ट ऊर्जा प्रबंधन ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन पर सभी प्रमुख विद्युत उपकरणों की ऊर्जा खपत पर नियमित निगरानी रखी जाती है।

सिरसा में किसानों के खिले चेहरे, धुंध की वजह से इन फसलों को मिलेगा लाभ

सिरसा : सर्दी का आगमन हो चुका है और सर्दी के साथ-साथ नए साल का भी आगाज हो चुका है। नए साल के पहले ही सप्ताह में धुंध देखने को मिल रही है खासकर ग्रामीण इलाकों में धुंध ज्यादा देखने को मिल रही है। धुंध से जहाँ आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं यह धुंध किसानों के लिए एक वरदान के रूप में साबित हो रही है। कल और परसों सिरसा जिला में हुई हलकी बूंदाबंदी से भी किसानों को राहत मिली है हालांकि इस बारिश से आम लोगों को भी काफी राहत मिली है। बारिश होने से लोगों को सुखी ठंड से निजात मिली है। ठंड और धुंध का सीजन अगले एक महीने तक चलता रहेगा और किसानों की फसल की स्थिति और भी अच्छी होती रहेगी। कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ सुखदेव सिंह कंबोज ने बताया कि सिरसा व आसपास के इलाकों में पिछले दिनों से हुई हल्की बूंदाबंदी से फसलों को काफी फायदा मिलेगा। सर्दी और धुंध का मौसम भी गेहूं सरसों और चने की फसल के लिए एक रामबाण है। बारिश के बाद अब धुंध पड़ने से भी गेहूं , सरसों और चने की फसलों को लाभ मिल रहा है। फिलहाल गेहूं , सरसों और चने की फसल को सूखे पाले की वजह से खराब होने की स्थिति में थी लेकिन अब इस बरसात और धुंध से इन फसलों को फायदा होगा। इससे किसान खुश दिखाई दे रहे है और उन्हें उम्मीद है कि इस बरसात के बाद उनकी गेहूं , सरसों और चने की फसल के उत्पादन में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

किसानों को उम्मीद है कि आगे आने वाले दिनों में और भी बारिश और धुंध होने की उम्मीद है जिससे उनकी रबी की फसलों को फायदा मिलेगा। वहीं कृषि वैज्ञानिक भी इस बरसात और धुंध से मौजूदा फसलों के लिए फायदा बता रहे है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार अगले दिनों तक सिरसा में धुंध के जारी रहने की संभावना है। पिछले दिनों सिरसा जिला में हुई हल्की बूंदाबंदी से किसानों की गेहूं , सरसों और चने फसलों को फायदा मिलेगा। सिरसा जिला में 2 लाख 95 हजार हेक्टेयर में गेहूं और 65 हजार हेक्टेयर में सरसों की बिजाई की गई है। इसके साथ ही 3 हजार हेक्टेयर में चने की बिजाई की गई है। अगले आने वाले दिनों में और भी कोहरा होने की संभावना है जिससे फसलों को फायदा मिलेगा।

फरीदाबाद में किसान ने किया सुसाइड, बेटा बोला पुलिस नही कर रही कार्रवाही

फरीदाबाद : फरीदाबाद के गांव अनंगपुर में जमीन के पैसे के लेन-देन को लेकर किसान के द्वारा सुसाइड करने के मामले में परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाही ना करने का आरोप लगाया है। मृतक के बेटे का कहना है कि आरोपी उनको जान से मारने की धमकी दे रहे है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। गांव अनंगपुर के रहने वाले जयपाल भड़ाना (52) ने 27 दिसंबर को जंगल में जाकर फांसी लगातार सुसाइड कर लिया था। जयपाल के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ था। जिसमें उसने भाजपा पार्षद गजेंद्र भड़ाना के भाई देवेन्द्र पर जमीन के पैसे ना देने का आरोप लगाया था। 2016 में अपनी एक बीघा जमीन देवेंद्र नामक व्यक्ति को बेची थी। सौदे के समय देवेंद्र ने कुछ रकम मौके पर दी थी, जबकि शेष रकम बाद में देने का वादा किया गया था। लेकिन लंबे समय तक न तो पैसे मिले और न ही जमीन वापस हुई। जब पिता अपनी जमीन पर दोबारा कब्जा लेने पहुंचे तो जग्गे, दिनेश और विकल नामक व्यक्तियों ने उनके साथ झगड़ा किया और दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी। मृतक ने मरने से पहले एक 20 मिनट का वीडियो भी बनाया था जिसमें उसने इन सभी लोगों को मौत का जिम्मेदार ठहराया था। सूरजकुंड थाना पुलिस ने मृतक के बेटे निखिल की शिकायत पर देवेन्द्र भड़ाना, उसके भाई भाजपा पार्षद गजेंद्र भड़ाना जयपाल उर्फ जग्गे, विकल, दिनेश उर्फ डीके के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।

बेटा बोला पुलिस नही कर रही कार्रवाही मृतक जयपाल के बेटे निखिल ने सूरजकुंड थाना पुलिस पर कार्रवाही ना करने का आरोप लगाया है। बेटे ने कहा कि सुसाइड करने से पहले उनके पिता ने सभी सबूत छोड़े थे। लेकिन आज तक भी पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नही किया है। पुलिस जांच की बात बोलकर हर बार उनको वापस भेज देती है। वह पुलिस अधिकारियों के लगातार चक्कर लगा रहे है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस सभी तथ्यों की जांच कर रही है। सूरजकुंड थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस जल्द ही जांच पूरी कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाही करेगी।

नशा करने के लिए करते थे चेन स्नेचिंग, दो गिरफ्तार

गुड़गांव, (ब्यूरो): नशा करने के लिए चेन स्नेचिंग करने का मामला सामने आया है। वारदात सेक्टर-56 में उस वक्त हुई जब एक महिला पैदल जा रही थी। शिकायत के आधार पर सेक्टर-56 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले को आगामी कार्रवाई के लिए अपराध शाखा सेक्टर-31 को सौंपा गया। अपराध शाखा की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान नैनीताल निवासी शुभम (उम्र-30 वर्ष) व सूरज (उम्र 30 वर्ष) निवासी गांव बाली, जिला नवादा (बिहार) के रूप में हुई। आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ के दौरान सामने आया कि यह छीनाझपटी करने, चोरी करने व नशा करने का आदि है, जिसके चलते इन्होंने चेन स्नेचिंग करने की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों के अपराधिक रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी शुभम पर चोरी करने, स्नेचिंग करने के 16 अभियोग व आरोपी सूरज पर चोरी करने, स्नेचिंग करने के 6 केस गुरुग्राम में पहले भी दर्ज हैं। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आपको बता दें कि 28 मार्च 2025 को एक महिला ने सेक्टर-56 थाना पुलिस को एक शिकायत देकर बताया था कि 27 मार्च को सेक्टर-55 से बाइक पर सवार होकर आए 2 व्यक्तियों द्वारा इसके गले से गोल्ड चेन झपट कर/छीन कर ले गए। मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अब अपराध शाखा ने काबू कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। ऑटो चालक से मोबाइल छीनने वाला काबू वहीं, नशे के लिए ऑटो चालक से मोबाइल छीनने वाले को भी अपराध शाखा सोहना ने काबू कर लिया है। 30 दिसंबर को सोहना शहर थाना पुलिस को एक ऑटो चालक ने शिकायत देकर कहा था कि 24 दिसंबर को दो युवकों ने राजीव चौक से सोहना जाने के लिए ऑटो बुक किया था। जब वह उन्हें लेकर पहाड़ कॉलोनी सोहना पहुंचा तो उन युवकों ने उससे यहां पर मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सोहना की पीर कॉलोनी निवासी तालीम हुसैन को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशा करने का आदी है और उसने अपने साथी सलमान उर्फ बिहारी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी से पुलिस ने मोबाइल भी बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेल वार्डन के सुसाइड मामले में सिरसा पुलिस का बड़ा एक्शन, डीएसपी समेत 2 अधिकारियों पर हुई एफआईआर

सिरसा : सिरसा जिला जेल में जेल वार्डन द्वारा सुसाइड करने के मामले में अब सिरसा पुलिस ने दो अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दोनों अधिकारियों में से एक जिला जेल का डीएसपी है और एक अन्य अधिकारी शामिल है। मृतक जेल वार्डन के शव को सिरसा के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जहां मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल परिजन आरोपियों की गिरफ़्तारी की मांग कर रहे है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के लिए परिजनों को आश्वासन दिया गया है जिसके बाद परिजन डेड बॉडी को लेकर फतेहाबाद के लिए रवाना हुए जहाँ मृतक का अंतिम संस्कार किया जाएगा। मृतक के चाचा अमरजीत सिंह ने बताया कि सुखदेव सिंह जेल वार्डन को जेल में काफी प्रताड़ित किया जाता था जिस वजह से उसने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि सिरसा के एसपी ने जल्द इस मामले में डीएसपी सहित दोनों अधिकारियों की जल्द गिरफ्तारी करने का आश्वासन दिया है जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है और अब शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वहीं डीएसपी राज सिंह ने बताया कि मृतक परिजनों के बयान के आधार पर जेल के डीएसपी और एक अन्य अधिकारी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आगामी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने परिजनों द्वारा मृतक जेल वार्डन को प्रताड़ित करने के आरोप पर कहा कि इसकी भी जांच की जाएगी।

कौन हैं नरेंद्र कुमार, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट की सबसे ऊंची चोटी पर लहराया तिरंगा, बनाया विश्व रिकॉर्ड

हिसार : जिले के नलवा विधानसभा क्षेत्र के गांव मिंगनी खेड़ा के रहने वाले प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नरेंद्र कुमार ने 30 दिसंबर को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप (5,364 मीटर) पर भीषण ठंड और -40 डिग्री सेल्सियस तापमान में भारतीय तिरंगा फहराकर देश का मान बढ़ाया। इस साहसिक अभियान की शुरूआत 24 दिसंबर 2025 को हुई थी। अभियान के दौरान खराब मौसम, तेज बर्फबारी और अत्यधिक ठंड जैसी विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद नरेंद्र कुमार ने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और अनुशासन के साथ इस मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। नरेंद्र कुमार ने कहा कि पर्वतारोहण की यात्रा की शुरूआत वर्ष 2019 में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग, मनाली से बेसिक कोर्स करके की। इसके बाद उन्होंने 2021 में हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग से एडवांस कोर्स पूर्ण किया। उनके पिता सुभाष चंद्र, जो एक्साइज एंड टैक्सेशन ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हैं, सदैव उनके प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक रहे हैं। नरेंद्र कुमार ने बताया कि इससे पहले भी विश्व की कई दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहरा चुके हैं। उन्होंने माउंट मनास्लु (8,163 मीटर) की सफल चढ़ाई की है और वे माउंट अन्नपूर्णा (8,091 मीटर) पर तिरंगा फहराने वाले पहले हरियाणवी पर्वतारोही हैं। इसके अतिरिक्त वे माउंट ल्होत्से (8,516 मीटर) पर चढ़ाई करने वाले हरियाणा के पहले व्यक्ति भी हैं। उन्होंने माउंट किलिमंजारो पर मात्र पांच दिनों में दो बार चढ़ाई कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। नरेंद्र कुमार ने 15 अगस्त 2021 को आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर माउंट युनम पर 151 फीट लंबा और 9 फीट चौड़ा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया था। इसके अलावा जुलाई माह में उन्होंने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर) को भी फतह किया। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्यफिट इंडिया मुहिम के ब्रांड एंबेसडर हैं। वे युवाओं को नशे से दूर रहने, फिटनेस अपनाने और खेल व एडवेंचर को करियर के रूप में अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। नरेंद्र कुमार का लक्ष्य दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों पर भारतीय तिरंगा फहराना है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे हरियाणा सहित देशभर में खुशी और गौरव की लहर है।

भगवान के घर चोरी, माता मंदिर में दान पेटी तोड़कर नकदी चोरी

गुड़गांव, (ब्यूरो): गुड़गांव में बेखोफ चोरों ने भगवान के घर को भी नहीं छोड़ा। चोरों ने प्रताप नगर स्थित दुर्गा माता मंदिर में देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया और यहां दानपेटी तोड़कर इसमें रखी नकदी को चोरी कर लिया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सुबह जब पुजारी मंदिर में आए तो उन्होंने यहां दानपात्र टूटा देखा और इसकी सूचना पुलिस व मंदिर कमेटी को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मंदिर के पुजारी अर्जुन शर्मा व संरक्षक गौरी शंकर वर्मा ने बताया कि देर रात को मंदिर के पुजारी मंदिर के कपाट बंद कर चले गए थे। देर रात को चोर मंदिर में दाखिल हुए और दानपात्र को तोड़ दिया और उसमें रखी नकदी ले गए। दानपात्र में करीब 80 हजार रुपए नकद थे। हैरानी की बात यह भी है कि इस मंदिर में चोरी की पहली वारदात नहीं बल्कि 5वीं वारदात है। उन्होंने बताया कि जब मंदिर के पुजारी व कमेटी के सदस्य सुबह मंदिर आए तो पूरे घटनाक्रम के बारे में पता लगा। यहां दानपात्र टूटा मिलने के साथ ही सामान भी बिखरा हुआ था। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर आई और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने यहां लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

लोकतंत्र में विश्वास न रखने वाले लोग देश को कमजोर करना चाहते हैं : मनोहर लाल

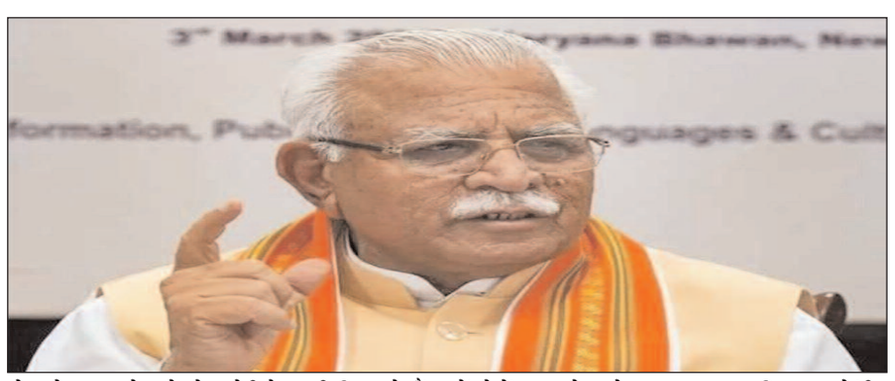

करनाल : इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों पर दुख जताते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस घटना के लिए प्रदेश सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां पर इस प्रकार की कमी मिलती है उसकी तुरंत जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। किसने इस तरह का गलत काम करने में लापरवाही बरती है। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। चुनाव आयोग पर विपक्षी पार्टियां सवाल खड़ा कर रही है के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इलेक्शन कमीशन के बारे में मुझे कोई बात नहीं कहनी। यही सब लोग कहते थे वोट चोरी होगी तो ये सब होता है। कर्नाटक सरकार जहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं है, वहां पर ताजा सर्वे आया है 99 प्रतिशत लोगों ने ये कहा है किसी प्रकार की वोट चोरी नहीं हुई है। सभी ईवीएम ठीक हैं ये वहां की जनता कह रही है। उन्होंने कहा बिहार चुनाव से पहले इन्होंने ये सब बाते कही, लेकिन बिहार की जनता ने जवाब दे दिया। आज देश का कोई भी नागरिक ये नहीं चाहेगा घुसपैठिए यहां आकर वोट दें,और घुसपैठिए इन्हीं के वोट बैंक बने हुए हैं। मनोहर लाल ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वोट चोरी ये करते थे, वोटर लिस्ट को साफ किया जा रहा है। इधर भी चिल्लाते है उधर भी चिल्लाते हैं, इन्हें दोनों तरफ से कुछ नहीं मिलेगा।

भाषा के कारण ही जेजेपी को जनता ने बाहर का रास्ता दिखाया : केंद्रीय मंत्री जेजेपी नेता अजय सिंह चौटाला के बांग्लादेश-नेपाल जैसे आंदोलन की जरूरत शाशकों को भागने के लिए,बयान पर मनोहर लाल ने निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों का अपनी लोकतंत्र व्यवस्था पर विश्वास नहीं है वह इस प्रकार की भाषा बोलते ही रहते हैं। इस प्रकार के लोग लोकतंत्र में विश्वास न रखकर देश को कमजोर करना चाहते हैं, जब भी कभी हरियाणा में शासन करते थे तो उनके ऐसे कृतक थे और इसी कारण से हरियाणा की जनता ने उन्हें रास्ता दिखा दिया। अगर आगे भी इस तरह की भाषा को बोलेंगे तो हरियाणा की जनता पूरे लोकतांत्रिक तरीके से आगे आने नहीं देगी।

खबर एक्सप्रेस

27 साल बाद बेटी से रेप करने वाला पिता गिरफ्तार, राजस्थान से पकड़ा

फरीदाबादः फरीदाबाद में नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के मामले में जेल जाने के बाद जमानत पर रिहा होकर फरार हुए आरोपी पिता को पुलिस ने 27 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को राजस्थान से पकड़ा गया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है उसे सजा हो गई थी, मगर जमानत पर बाहर आकर वह साल 1998 से फरार चल रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के रहने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ 1996 में भ मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके ऊपर अपनी 14 साल की नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का आरोप था।

कारों से स्टंट कर रील बनाना पड़ा महंगा, पुलिस ने कर दी बड़ी कार्रवाई

महेंद्रगढ़ : महेंद्रगढ़ से दादरी स्टेट हाईवे पर न्यू ईयर के दिन 2 कार सवार युवकों ने जमकर उत्पात मचाया था। युवकों ने यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई थीं। इस मामले में अब पुलिस का एक्शन देखने को मिला है। पुलिस ने दोनों कारों को इंपाउंड कर जब्त कर लिया है, साथ ही कुल चौवन हजार पांच सौ रुपये का जुमार्ना भी लगाया। मामला महेंद्रगढ़झदादरी स्टेट हाईवे का है, जहां साल के पहले दिन गांव भुरजट के पास 2 कारों में सवार युवक गाड़ियों की खिड़कियों से बाहर निकलकर हुड़दंगबाजी और खतरनाक स्टंट करते नजर आए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक महेंद्रगढ़ पूजा वशिष्ठ ने थाना सदर महेंद्रगढ़ को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उच्च अधिकारियों के आदेशों के बाद थाना सदर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों कारों को मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के तहत इंपाउंड कर लिया। महेंद्रगढ़ सदर थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि कारों में सवार युवक आसपास के गांवों के ही रहने वाले हैं। युवक न सिर्फ यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे थे, बल्कि अपनी जान के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में डाल रहे थे। पुलिस ने यातायात नियमों की अवहेलना और सार्वजनिक सड़क पर जान जोखिम में डालने के आरोप में दोनों कारों को जब्त करते हुए चौवन हजार पांच सौ रुपये का चालान किया है। हुड़दंगबाजी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 1 हजार एकड़ में बनेगी नई आईएमटी, सीएम सैनी ने दी अंतिम मंजूरी

अम्बाला : न्यू ईयर पर हरियाणा के अम्बाला जिले को बड़ी औद्योगिक सौगात मिली है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अम्बाला में करीब 1000 एकड़ भूमि पर इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप स्थापित करने को अंतिम मंजूरी दे दी है। चंडीगढ़ में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया, जिसमें राज्य के वरिष्ठ अधिकारी और अम्बाला क्षेत्र के किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के दौरान किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और आपसी सहमति बनने के बाद आईएमटी परियोजना को हरी झंडी दी गई। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अब जल्द ही भूमि रजिस्ट्री और आगे की औपचारिक प्रक्रियाएं शुरू की जाएंगी। इस आईएमटी को बनने से अम्बाला और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि आईएमटी परियोजना अम्बाला के विकास में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है। अम्बाला को औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलने से क्षेत्र के समग्र विकास को मजबूती मिलेगी।

पानीपत में महिला की बेरहमी से हत्या, खेतों में अर्धनग्न हालत में मिला शव

पानीपत : हरियाणा में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है जहां पानीपत जिले के इसराना थाना क्षेत्र में महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। गांव भाऊपुर के खेतों में महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। सिर व चेहरे पर ईंट मारकर हत्या की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौ पर पहुंची। बताया जा रहा है कि शव के पास खून से सनी ईंटें भी बरामद हुई हैं। घटनास्थल को देखकर प्रतीत होता है कि महिला की हत्या किसी अन्य स्थान पर नहीं, बल्कि खेतों में ही की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल की टीम जांच में जुटी हुई है। महिला की पहचान के लिए आस-पास के क्षेत्र में पुलिस पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

हर्ष छिकारा का नया फॉर्म हाउस सील, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

सोनीपत : सोनीपत नगर निगम ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्ष छिकारा के नवनिर्मित मकान को सील कर दिया है। यह कार्रवाई महलाना रोड स्थित उनके फॉर्म हाउस पर की गई, जहां नियमों के खिलाफ निर्माण कार्य किया जा रहा था। निगम की टीम को सूचना मिली थी कि महलाना रोड पर खेतों के बीच एक महलनुमा फॉर्म हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। शिकायत के आधार पर शुक्रवार शाम निगम की टीम हर्ष छिकारा के फार्म हाउस पर पहुंची मौके पर पहुंची और जांच की। लीगल दस्तावेज नहीं मिलेजांच के दौरान टीम ने निर्माण से संबंधित अनुमति और स्वीकृत भवन योजना के दस्तावेज मांगे, लेकिन हर्ष छिकारा की ओर से कोई भी वैध कागजात पेश नहीं किए जा सके। अधिकारियों ने इसे नियमों का सीधा उल्लंघन मानते हुए तत्काल प्रभाव से निमार्णाधीन भवन को सील कर दिया ग्रैप-3 के उल्लंघन पर हुई कार्रवाई नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि बिना पूर्व अनुमति और स्वीकृत नक्शे के किसी भी प्रकार का निर्माण गैरकानूनी है। निर्माण कार्य के लिए परमिशन नहीं ली गई थी, इसी आधार पर यह कार्रवाई की गई है।दस्तावेज जमा कराने के मौका दिया निगम प्रशासन की ओर से संबंधित पक्ष को मंगलवार तक आवश्यक दस्तावेज जमा कराने का अवसर दिया गया है। यदि तय समय सीमा तक अनुमति से जुड़े कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।सीलिंग ऑर्डर के अनुसार यह भवन सिटावली निवासी योगेश की पत्नी आरती देवी के नाम दर्ज है। नगर निगम ने साफ निर्देश दिए हैं कि सील किए गए भवन में कोई प्रवेश न करे, न ही किसी प्रकार की गतिविधि संचालित की जाए। आदेशों की अवहेलना करने पर हरियाणा म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट, 1994 के तहत सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बता दें कि हर्ष छिकारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने नए घर से संबंधित जानकारी फैंस के साथ सांझा करते रहते थे।

झोपड़ी में लिव-इन पार्टनर के साथ सो रहे किसान को जिंदा जला दिया, दोनों की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेंगम इलाके में कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक झोपड़ी को बाहर से ताला लगाकर आग के हवाले कर दिया। इस भीषण अग्निकांड में झोपड़ी के भीतर सो रहे 53 वर्षीय किसान और उसकी 40 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की जिंदा जलने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पक्किरीपलायम गांव निवासी पी. शक्तिवेल और उनकी पार्टनर एस. अमृतम के रूप में हुई है। शक्तिवेल पेशे से किसान थे और एक ग्रामीण से पट्टे पर लिए गए तीन एकड़ के खेत में बनी छोटी सी झोपड़ी में रहते थे। रिपोर्ट में चेंगम पुलिस इंस्पेक्टर एम. सेल्वराज के हवाले से कहा कि झोपड़ी के भीतर दो शव ऐसी हालत में मिले जिन्हें पहचानना मुश्किल था। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हमलावरों ने साजिश के तहत झोपड़ी का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था ताकि अंदर मौजूद लोग बाहर न निकल सकें। मौके पर फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्तों की मदद से सुराग जुटाए गए हैं। शवों का पोस्टमॉर्टम घटनास्थल पर ही किया गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पड़ोसियों को कुछ जलने की तेज गंध आई, जिसके बाद उन्होंने मौके पर जाकर देखा कि झोपड़ी पूरी तरह राख हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के पीछे पारिवारिक रंजिश का एंगल सामने आ रहा है। शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी तमिलरसी से अलग हो गए थे। उनकी पत्नी अपने दो बेटों और एक बेटी के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। वारदात से ठीक एक रात पहले शक्तिवेल की बेटी उनसे मिलने आई थी और रात 9 बजे खाना खाकर लौटी थी। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं। उनके भी दो बेटे और एक बेटी हैं। शक्तिवेल और अमृतम पिछले तीन साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे।इंस्पेक्टर सेल्वराज के मुताबिक, हमने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला दर्ज किया है। चूंकि दोनों ही अपने-अपने जीवनसाथी से अलग हो चुके थे और साथ रह रहे थे, इसलिए हम सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। इसमें दोनों के पूर्व जीवनसाथियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस दोहरे हत्याकांड ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

संदेशखाली इलाके में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला, 6 पुलिसकर्मी घायल

कोलकत्ता (एजेंसी)। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमला करने से 6 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने पुलिस की एक टीम बोयेरमारी गांव गई थी। पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों के एक समूह ने हमला किया और पुलिस वाहन को नुकसान पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी सहित छह घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। ये पुलिसकर्मी उस समय घायल हुए जब कुछ ग्रामीणों ने मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस वाहन में बिठाया था। अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मत्स्यपालन के लिए जल स्रोतों पर जबरन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार आरोपी मूसा को पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। उसके अलावा, ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 5 जनवरी 2024 को, राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानीय टीएमसी नेता और जिला परिषद सदस्य शेख शाहजहाँ के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ। शाहजहाँ को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार किया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि राज्य पुलिस पर हुए हमले ने ममता बनर्जी के शासन में टीएमसी कार्यकर्ताओं की 'हताशा और बेशर्मी' को उजागर किया है।

केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी : सुरेश गोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा है कि केरल के विकास के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता वाली 'डबल इंजन' सरकार का होना जरुरी है। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कोल्लम जंक्शन रेलवे स्टेशन पर विरासत भवनों को संरक्षित करने की संभावनाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से ये बात कही। उनके साथ सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन भी मौजूद थे। त्रिशूर से सांसद गोपी ने कहा, ''मेरी लोगों से केवल यही प्रार्थना है कि वे अन्य राज्यों में 'डबल इंजन' सरकार के कारण मिल रहे लाभों को देख ले। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी है। केंद्र द्वारा स्वीकृत फॉरेंसिक प्रयोगशाला परियोजना का जिक्र कर गोपी ने कहा कि इस शुरुआत में त्रिशूर में स्थापित करने का प्रस्ताव था, लेकिन विजयन सरकार द्वारा भूमि की अनुपलब्धता का हवाला देने के बाद तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कहा, केंद्र ने त्रिशूर में 25 एकड़ जमीन मांगी थी। त्रिशूर में अब एक अन्य बड़ी परियोजना आएगी। मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को त्रिशूर से संभवत- कुछ समस्या है, क्योंकि कई विकास परियोजनाओं को जिले से बाहर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिशूर की जनता को यह बताया जाना चाहिए कि विकास परियोजनाओं को उनके जिले से बाहर आखिर क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास में हर क्षेत्र को शामिल किया जाना चाहिए।

विलेज डिफेंस गार्ड ने दिखाया अदम्य साहस... डरकर भागे तीन आंतकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की देसा घाटी में आतंकियों की बड़ी साजिश को विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) की बहादुरी ने नाकाम किया। शाम करीब 7-00 बजे जब तीन हथियारों से लैस आतंकियों ने रिहायशी इलाके को निशाना बनाने की कोशिश की, तब एक सतर्क स्थानीय गार्ड ने अदम्य साहस दिखाकर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। सूत्रों के मुताबिक दावेलकुंड इलाके के पास जंगल के रास्ते तीन संदिग्ध आतंकी गांव की ओर बढ़ते दिखाई दिए। स्थिति की गंभीरता को देखकर तैनात वीडीजी सदस्य ने तुरंत मोर्चा संभाला। उसने न केवल अपने परिवार और घर को सुरक्षित किया बल्कि कवर लेकर आतंकियों की दिशा में सटीक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए जवाबी हमले से आतंकी घबरा गए। उन्हें अंदाजा नहीं था कि स्थानीय स्तर पर इतनी कड़ी चुनौती मिलेगी। खुद को घिरता देखकर आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर वापस घने जंगलों की ओर भाग गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को सूचित किया गया। इसके बाद डोडा के सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अन्य वीडीजी सदस्यों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वीडीजी सदस्य की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े जानमाल के नुकसान को टाल दिया है।

दिल्ली में स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की पहचान के लिए शीतकालीन सर्वे शुरू, 15 जनवरी तक घर-घर जाएंगी टीमें

नई दिल्ली। राजधानी में स्कूल से बाहर रह गए बच्चों की पहचान और उन्हें औपचारिक शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षा निदेशालय ने शीतकालीन सर्वे शुरू किया है। यह सर्वे 15 जनवरी तक चलेगा, जिसके तहत प्रतिदिन सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक टीमें घर-घर जाकर बच्चों की पहचान करेंगी। अभियान का मकसद सार्वभौमिक शिक्षा सुनिश्चित करना और प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाना है। सर्वे के दौरान बच्चों को चार आयु वर्गों में चिन्हित किया जाएगा। इसमें पांच वर्ष तक, छह से 10 वर्ष, 11 से 14 वर्ष और 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे शामिल हैं। कभी स्कूल नहीं गए बच्चों पर विशेष नजर विशेष रूप से उन बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा जो या तो कभी स्कूल नहीं गए, बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं या

विशेष शैक्षणिक सहायता की आवश्यकता रखते हैं। इस अभियान में कुल 234 टीमें तैनात की गई हैं, जो सभी जिलों में कार्य करेंगी। पूर्वी, दक्षिणी, पश्चिमी, उत्तरी और मध्य दिल्ली समेत सभी क्षेत्रों में सर्वे किया जाएगा। अनधिकृत कालोनियों, झुग्गी-बस्तियों, औद्योगिक क्षेत्रों और निर्माण स्थलों को संभावित हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। पहचान और दस्तावेज के अभाव में नहीं पहुंचे स्कूल अधिकारियों का कहना है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे मिलते हैं, जो पहचान और दस्तावेजों के अभाव में स्कूल तक नहीं पहुंच पाते। सर्वे टीमों को बच्चों की पहचान के लिए पहचान पत्र दिए गए हैं, ताकि समुदाय में उन्हें आसानी से पहचाना जा सके और लोगों का भरोसा बने। सर्वे के दौरान चिन्हित किए गए बच्चों की जानकारी समग्र शिक्षा अभियान के तहत संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। स्कूल से बाहर पाए गए बच्चों, जिनमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी शामिल हैं, को 31 जनवरी तक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाएगा। सर्वे की विस्तृत रिपोर्ट सात फरवरी तक प्रस्तुत की जाएगी।शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस सर्वे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मुख्यधारा की शिक्षा में जोड़ना लक्ष्य इसके माध्यम से न केवल बच्चों की पहचान होगी, बल्कि उनकी जरूरत के अनुसार शैक्षणिक और सहायक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ सकें। विभाग का कहना है कि समय पर पहचान और दाखिले से न केवल बच्चों की पढ़ाई बचेगी, बल्कि बाल श्रम और ड्रापआउट जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने वाले हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने हैं, यह मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि असम की जनता और उस व्यक्ति के बीच होगा, जिसे उन्होंने स्वयं को राजा समझने वाला कहा। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही राजा की पहचान जानती है। कांग्रेस नेता गोगोई ने बताया कि विपक्षी दल जनता में व्याप्त आक्रोश और हताशा को समझते हुए उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल वित्तीय प्रलोभन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघनों के द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन असम की जनता इससे प्रभावित नहीं होगी। गोगोई ने कहा कि राज्य की जनता एकजुट होकर यह संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति उनकी गरिमा को कुचल नहीं सकती। उन्होंने असम की भूमि, संस्कृति, विरासत, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने का संकल्प जताया। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि असम चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे और पूरे देश पर प्रभाव डालने वाले है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर नागरिकों को प्रजा की तरह मानने और उनके अधिकारों को सीमित करने का आरोप लगाया। सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का दुरुपयोग लाभार्थियों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है।

पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए: स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नव नियुक्त पुलिसकर्मियों को बधाई देकर उनसे जनता की सेवा के प्रति करुणा, ईमानदारी और जिम्मेदारी का भाव बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नए साल 2026 की शुभकामनाएं देकर कहा कि पुलिस में शामिल होने के साथ ही उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। सीएम स्टालिन ने कहा कि लोग रात और सुबह बिना भय के बाहर जा सकें, इसके लिए पुलिस की तत्परता जरुरी है। उन्होंने तमिलनाडु को पूरे भारत में सुरक्षित और शांति का द्वीप बताकर वैश्विक कंपनियों द्वारा निवेश के लिए पसंदीदा राज्य बताया। नव नियुक्त पुलिसकर्मियों से अपेक्षा की गई कि वे इस भरोसे को बनाए रखें और अपने कर्तव्यों में सतर्क रहें। मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अपराध नियंत्रण में सक्रिय रहना होगा, ताकि बच्चों और समाज पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

सीएम स्टालिन ने प्रत्येक पुलिसकर्मी से आग्रह किया कि वे संकल्प लें, मेरे क्षेत्र में कोई अपराध मेरे नियंत्रण के बिना नहीं होगा उन्होंने कहा कि अधिकार का प्रयोग हमेशा तर्कसंगत और जनता के हित में होना चाहिए। सकारात्मक कार्य पूरे विभाग को गौरवान्वित करते हैं, जबकि एक भी गलती जनता का भरोसा तोड़ सकती है। उन्होंने यह संदेश दिया कि तमिलनाडु का भविष्य पुलिस की प्रतिबद्धता और कार्यशैली पर निर्भर है।

महाराष्ट्र राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा, सीएम फडणवीस ने लोगों को दिलाया भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। पहचान और शासन को लेकर चल रही बहसों के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फिर कहा हैं कि राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा है और नागरिकों को आश्वासन दिया है कि कोई अन्य भाषा थोपी नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकार का अपने लोगों पर कोई अन्य भाषा थोपने का इरादा नहीं है। उनकी यह टिप्पणी भाषा नीति, शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान पर चल रही राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा के बीच आई है। जबकि सरकार इस रुख को मराठी गौरव को संरक्षित करने और भाषाई विविधता का सम्मान करने के बीच संतुलन के रूप में प्रस्तुत करती है, विपक्षी दल, शिक्षाविद और नागरिक समाज समूह इस बात पर बहस जारी रखे हुए हैं कि ऐसी नीतियां अल्पसंख्यकों, सामाजिक

सद्भाव और रोजमर्रा के शासन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य की स्कूली शिक्षा में मराठी भाषा ही एकमात्र अनिवार्य भाषा रहेगी। किसी अन्य भारतीय भाषा को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। अन्य भाषाएं किस कक्षा से पढ़ाई जाएंगी, इस पर फैसला डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। यह बात उन्होंने 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान और आत्मा है। इसलिए इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट अंतिम चरण में है और उसी के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। मराठी साहित्य और संस्कृति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राज्यव्यवहार कोश के माध्यम से मराठी को प्रशासनिक भाषा का दर्जा दिया था। सरकार आज भी मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाना गर्व की बात है।

ऑर्गन डोनेट करने में कर्नाटक ने तोड़ा रिकॉर्ड... 198 अंग दान के साथ बनाई खास जगह

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक ने साल 2025 में अंग दान कर अब तक का बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। राज्य में इस साल कुल 198 अंग दान किए, जो पिछले रिकॉर्ड 2023 में दर्ज 178 अंग दान को पार कर गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रिकॉर्ड के साथ कर्नाटक ने नेशनल लेवल पर ऑर्गन डोनेट करने में तीसरा राज्य बना है। एजेंसी के अनुसार, सूची में तमिलनाडु सबसे ऊपर रहा, जहां 267 अंग दान हुए, जबकि तेलंगाना ने 205 अंग दान दर्ज किए। महाराष्ट्र और गुजरात ने क्रमशः 153 और 152 अंग दान किए। कर्नाटक की यह तीसरी स्थिति राज्य की लगातार बढ़ती जागरूकता और अस्पतालों में बेहतर ट्रांसप्लांट सुविधाओं के कारण है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अंग दान करने की बढ़ोतरी के पीछे लोगों की भागीदारी और अस्पतालों में बेहतर निगरानी और बेहतर प्रबंधन। अधिकारी कहते हैं कि लोगों में अंग दान के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ी है और परिवार और समाज में अंग दान को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि कर्नाटक में इस तरह के आंकड़े जीवन बचाने वाले ट्रांसप्लांट के लिए उम्मीद जगाते हैं। अंग दान के माध्यम से कई रोगियों को नई जिंदगी मिली है और इससे जुड़े जागरूकता अभियान लोगों को अंग दान के सामाजिक और नैतिक महत्व के प्रति संवेदनशील बना रहे हैं।

शाह की डेडलाइन के बाद एक्शन में सुरक्षाबल... दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नए साल के पहले ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरु कर दी है। सुकमा और पड़ोसी बीजापुर जिले में हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 14 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली शामिल है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सुरक्षाबलों की टीम ने करीब 5 बजे इन ऑपरेशनों को अंजाम दिया।

बता दें कि तेलंगाना सीमा के पास गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि अब तक तीन शव बरामद किए हैं और भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मारे गए नक्सली किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य थे।

बात दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की समय सीमा तय करने के बाद से सुरक्षाबलों के ऑपरेशनों में जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में कुल 503 नक्सली मारे जा चुके हैं।

2025 में 284 नक्सली ढेर हुए हैं, जिसमें से 255 सिर्फ बस्तर क्षेत्र के हैं। 2024 में राज्य में कुल 219 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षाबलों की आक्रामक कार्रवाई ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की कमर तोड़ दी है। छत्तीसगढ़ में अब यह संगठन करीब बिना सिर का हो गया है। महासचिव नंबला केशव राव उर्फ बसवाराजू और सैन्य नेता माड़वी हिड़मा सहित 9 सेंट्रल कमेटी (सीसी) सदस्य मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं। संगठन के पास अब केवल तीन सीसी सदस्य बचे हैं, जिनमें से गणेश उइके ओडिशा में और अनलदा झारखंड में सक्रिय हैं। मल्लरजी रेड्डी राज्य से बाहर हैं। प्रमुख नेता देवजी और गणपति राज्य छोड़ चुके हैं, जबकि वेणुगोपाल राव और पुल्लुरी प्रसाद राव जैसे नेताओं ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए बंद किया क्षेत्र... उधर पाकिस्तान ने ढाका के लिए खोला

नई दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बाद क्षेत्रीय विमानन और कूटनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने अहम कदम उठाकर बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन 'बिमान एयरवेज' को ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने की परमिशन दे दी है। यह मंजूरी ट्रायल आधार पर तीन महीनों के लिए दी गई है, जो मार्च 2026 के अंत तक वैध रहेगी। आवश्यकता और अनुभव के आधार पर इसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) के अनुसार, यह फैसला केंद्र की स्वीकृति के बाद लिया गया है। बिमान एयरवेज को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में तय किए रूट्स का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही, ढाका से उड़ान भरने से पहले कराची एयरपोर्ट प्राधिकरण को पूरी फ्लाइट डिटेल्स उपलब्ध करानी होंगी। उड़ानों का शेड्यूल और अन्य परिचालन

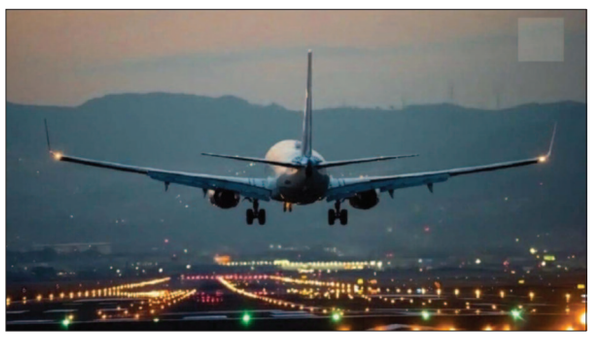

संबंधी विवरण जल्द ही अंतिम रूप ले लिए जाएंगे। सभी उड़ानें पाकिस्तान के सिविल एविएशन नियमों के तहत संचालित की जाएंगी।

हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने एयरस्पेस को बंद किया था, इसकारण पाकिस्तानी विमान भारत के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान नहीं भर सकते। वहीं, बांग्लादेशी एयरलाइनों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में अगस्त 2024 के बाद से तेजी से सुधार देखा गया है। पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने और भारत में शरण लेने के बाद ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में तनाव आया, जबकि इस्लामाबाद ने ढाका के साथ रिश्ते मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दीं। नवंबर 2024 में पीआईए और बिमान के बीच कार्गो समझौता हुआ, फरवरी 2025 में पहला कार्गो जहाज पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा और दिसंबर 2025 में बिमान द्वारा कराची के लिए नियमित उड़ानों की घोषणा की गई।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और टीएमसी के बीच विवाद तेज

– टीएमसी ने बीएलए को सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच विवाद तेज हो गया है। यह मामला अब अदालत तक पहुंचने की कगार पर है। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें पार्टी के बीएलए को मतदाता सूची के मसौदे पर दावों और आपत्तियों की सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी।

राज्य में तीन चरणों वाली एसआईआर प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो चुका है। घर-घर सर्वे, फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने और डिजिटल एंट्री के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो चुकी है। अब दूसरा चरण दावों और आपत्तियों की सुनवाई पर केंद्रित है, जो 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के मुताबिक यदि टीएमसी की मांग मान ली जाती, तो अन्य सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की समान मांगें भी स्वीकार करनी पड़तीं।

इससे सुनवाई में कम से कम 11 अतिरिक्त व्यक्ति उपस्थित होते, जिसमें दावेदार, उसके सहायक और कम से कम आठ दलों के बीएलए शामिल होते। इसमें चुनावी पंजीकरण अधिकारी, सहायक ईआरओ, माइक्रो ऑब्जर्वर के अलावा मतदाता और उसके साथी भी होते। ईसीआई सूत्रों का कहना है कि इतनी भीड़ में सुनवाई प्रक्रिया संचालित करना असंभव हो जाता और अलग-अलग एजेंट अपनी-अपनी व्याख्या करते, जिससे अराजकता फैलती। पश्चिम बंगाल में मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय पार्टियां टीएमसी और फॉरवर्ड ब्लॉक हैं, जबकि राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, सीपीआई(एम), आम आदमी पार्टी, बसपा और एनपीपी हैं।

आयोग के इनकार पर टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया, क्योंकि अन्य दलों, खासकर बीजेपी के पास सभी सुनवाई टेबलों के लिए पर्याप्त बीएलए नहीं हैं। टीएमसी ने कहा कि बीजेपी के पास तो उम्मीदवार उतारने लायक कार्यकर्ता भी नहीं हैं। आयोग के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि वे किसी पार्टी की कथित ताकत या कमजोरी की कल्पना पर फैसले नहीं ले सकते। सभी दलों के लिए समान नियम लागू करने होते हैं, जो व्यावहारिक और उपयोगी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि सुनवाई में दस्तावेजों के जांच और सवाल-जवाब होते हैं, जिसमें बीएलए की कोई राजनीतिक भूमिका नहीं है। इसलिए सभी दलों के बीएलए को अनुमति न देना तर्कसंगत है, ताकि प्रक्रिया बिना बाधा के पूरी हो। टीएमसी आयोग के इस फैसले को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की पारदर्शिता का मुद्दा बता रही है, जबकि आयोग इसे प्रक्रिया की सुचारूता के लिए जरूरी कदम मानता है।

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फ्रेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है। सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं।

सौम्या टंडन ने दिया जवाब

जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया था, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।

'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।